

रघुराजविनोद ॥

पण्डित त्रिपाठि श्रीपुरन्दरजी विरचित

चौथीबार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी. आइ. ई.) के छापेखाने में छपा

मार्च सन १८८६ ई०

४ जुज़ ७ वर्क

इस मतबे में जितने प्रकारकी काव्यकी पुस्तकें छपी हैं उनमें से कुछ नीचे लिखी जाती हैं ॥

नवीनसंग्रह ।)॥

जिसमें भक्तभयहारी कुञ्जविहारी रसिकशिरोमणि श्रीकृष्णचन्द्र और श्रीराधिकाजी के लीलाविषयक नानाप्रकारके अत्युत्तम कवित्त और सवैयादि वर्णित हैं जिसको हफ़ीज़ुल्लाहखां सांडीनिवासि मुदर्रिस मदर्सा मौज़ाबख्शापुर परगने बंगर थाना बघौली स्टेशन ज़िला हरदोई ने अपने शौक़ीन दोस्तों के दिलबहलाने के निमित्त अति परिश्रमसे संग्रह किया ॥

षट्ऋतुकाव्यसंग्रह ≈)॥

हफ़ीज़ुल्लाहखां संग्रहीत जिसमें बसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमन्त, शिशिर छओऋतुओं के कवित्त व सवैया ऐसे २ अत्युत्तम लहलहे रँगीले सरस चुहचुहे रसीले, अपने रसिक मित्रों व रंगीन तबीयतवाले महाशयों के चित्त बिनोदार्थ बड़े परिश्रम से छांट २ कर लिखेगये हैं ॥

प्रेमतरङ्गिणी ;-)॥

मुन्शी हफ़ीज़ुल्लाहखां संग्रहीत इसमें चित्र विचित्र सामयिक देवपक्ष व प्रत्येक ऋतुओं के कवित्त सवैया हरएक कविके बनाये हुये संग्रह किये गये हैं इसकी उत्तमता देखनेही से मालूम होती है ॥

हफ़ीज़ुल्लाहखां का हज़ारा ॥॥≈)॥

इसमें नानाप्रकार के बहुतही उत्तम २ सब २१८४ कवित्त लिखेगये हैं स्थान २ पर तसवीरें भी बनी हैं ऐसा ग्रन्थ कवित्तों का संग्रह कियाहुआ आजतक देखने में नहीं आया। उत्तमता देखने से मालूम होगी रसिक पुरुषों के लिये अत्यन्त आनन्दकारी है ॥

श्री गणेशाय नमः

अथ रघुराजबिनोद

कविपुरन्दरकृत

छप्पै

जय बितुंड मुखतुंड चंडगहि बिघन बिकर्सन। जय अबुद्ध नर बुद्ध करन जय बर बन बर्सन। जय दरिद्र दल दाव दीह-जय दनुज निकन्दन। जय महेश विधि विष्णु इन्द्र आदिक सुर वन्दन। जय अशेष संशय शमन एक दंत चंद दुरन। जय जयन्ति गिरिजा सुवन आठ सिद्धि नव निधि करन ॥१॥ दोहा॥ जय जय देवी सरस्वती जय जय गौरि गिरीश। जय रघुपति यदुपति जयति जय रवि जयति हरीश॥२॥ जाको ध्यावत रैन दिन मानुष देव अदेव। ता श्रीहरि को ध्यान धरि कहत चित्र के भेव॥३॥ चौहद्द बन्ध चित्रम् सोरठा॥ महा धीर रघुबीर मरयादा सुठि शील के। मरकत श्याम शरीर मनसा पुजवत जनन की॥४॥



त्रिपदी चतुःपदी अश्व गति कपाट बंध चित्रं॥ दोहा॥ खान पान ही ना रमैं अरे नीच मति मन्द। भा न मान के नाम में खरे शत्रु हति फन्द॥५॥

त्रिपदी चित्रम्॥

खा	पा	ही	र	श्व	नी	म	मं
न	न	ना	मैं	रे	च	ति	द
भा	मा	के	म	ख	रा	ह	फं

चतुष्पदी चित्रम्॥

खानपा	हीनार	श्वरेनी	मतिमं
न	मैं	च	द
भानमा	केनाम	खरेरा	हतिफं

अश्वगति चित्रम्॥

खा	न	पा	न	ही	ना	र	मैं
श्व	रे	नी	च	म	ति	मं	द
भा	न	मा	न	के	ना	म	मैं
ख	रे	रा	च	ह	ति	फं	द

कपाट बंधचित्रम्

खा	न	भा	न
पा	न	मा	न
ही	ना	के	ना
र	मैं	म	मैं
श्व	रे	ख	रे
नी	च	रा	च
म	ति	ह	ति
मं	द	फं	द

अथत्रिपदी चतुष्पदी हारबंध कमलबंध चित्रम्॥ (दोहा)

धीर धीर धर बीर बर सुर नर दर हर तार॥ मार छार कर हार उर नर शिर हर रर यार॥६॥

त्रिपदी चित्रम्

धी	धी	ध	बी	ब	सु	न	द	ह	ता
र	र	र	र	र	र	र	र	र	र
मा	क्का	क	हा	उ	न	शि	ह	र	या

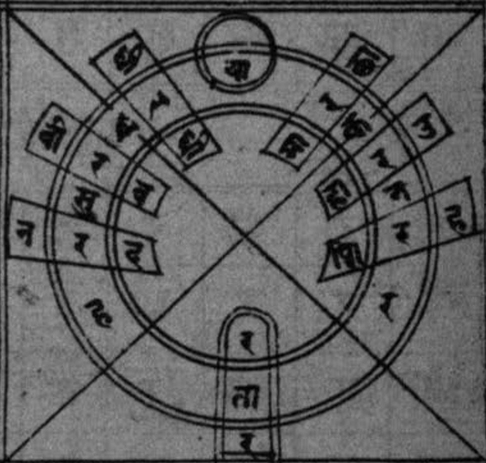
चतुष्पदी चित्रम्

धी	र	धी	र	ध	र	वी	र	ब	र
सु	र	न	र	द	र	ह	र	ता	र
मा	र	क्का	र	क	र	हा	र	उ	र
न	र	शि	र	ह	र	र	र	या	र

कमलबंध चित्रम्॥

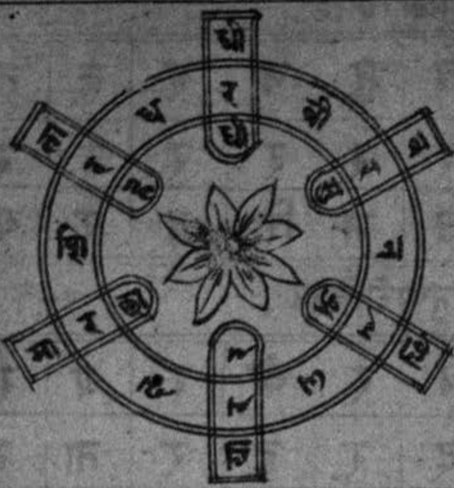


हारबंध चित्रम्॥



पञ्चपदी चित्रम्

धीरधी	धरबी	बरसु	नरद	हरता
र	र	र	र	र
मारक्का	करहा	उरन	शिरह	ररया



चौर हार बन्ध दोहा॥

बार बार नर हर हरहर रर यार करतार। मार क्षार कर सुर सर नरनर कार भरतार॥७॥

त्रिपदी चतुष्पदी हू कै है

त्रिपदी चित्रम्॥

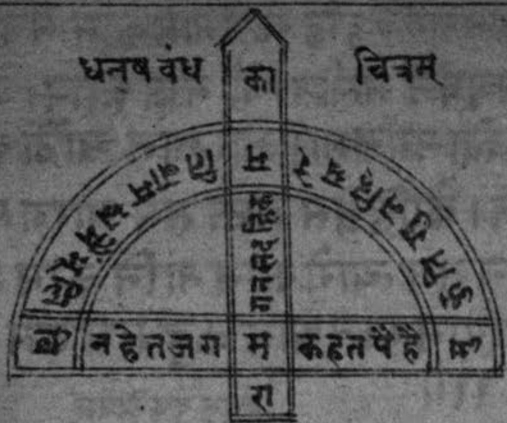
बा	वा	न	ह	ह	ह.	र	या	क	ता
र	र	र	र	र	र	र	र	र	र
मा	क्षा	क	सु	स	न	न	का	न	ता

चतुष्पदी चित्रम्

बा	र	बा	र	न	र	ह	र	ह	र
र	र	र	या	र	क	र	ता	र	ह
मा	र	क्षा	र	क	र	सु	र	स	र
र	न	र	का	र	भ	र	ता	र	न

धनुषबंध॥ दोहा॥ राम कहत पैहै मुकुति सुनहि अरेम
तिवाम। भ्रमैं भूलि बिन हेत जग मगन सदहिं कम काम ८॥

धनष बंध चित्रम



चक्र बन्ध ॥ दोहा ॥

रटहि राम रनधीर बर
झरे गहर मतिलाउ
।बाढ़ो जो मद मोह बल
ताके हृदै नसाउ ॥ ९॥

बिततडमरू बंध·

नग पर बसत लसत कंठै
बिष बिहद सर पतन न·
त पर सदहू बिरद पालन
को नँगन मगन मन। न·
गन मगन गनत्यों युग-
सुत हैं बरद सदन धन।
नधन दसदर बल जासु
कहूं चलत सबर पगन
॥१०॥

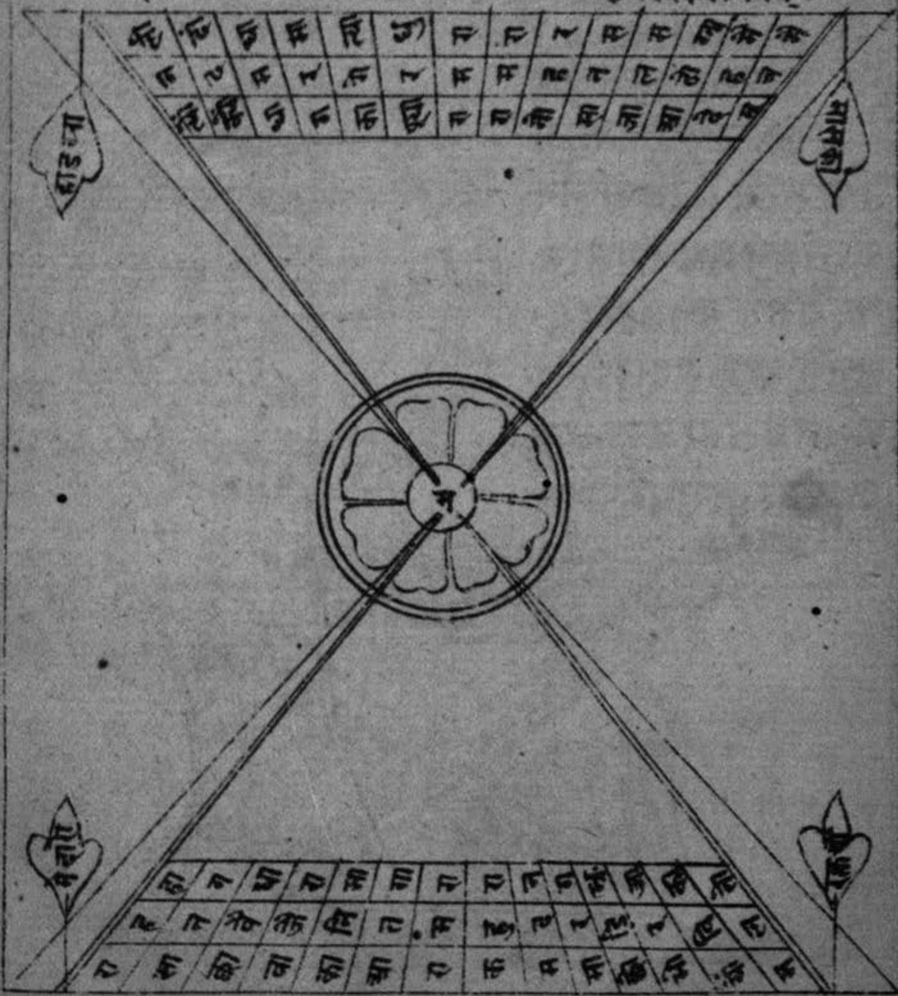


बिततडमरू बन्धचित्रम ॥



पनडमरू बंध कवित्त रूप घनाक्षरी ॥ हाड़ चाम मास काम मेदा रोम रक्त चाम मलतो ममूत्रमें मलीन त्यों महा हराम। यों विकाम देहमें मदान्ध क्यों मगन साम भोर जाम आठों ग्राम धाम धाम धावे काम। छोड़ि भ्रम जाल सम मारग मराजै बाम मारग मसान सम त्यागे काम नानि काम। मदन मनोहर मधुर श्याम गात ज्ञान कहु राम राम राम राम राम रारू राम ॥ ११॥

डमरू बंध चित्रम्



अर्द्ध चरण गुप्त काव्य छन्द ॥ संतत त्रिभुवन वसं करन दुमन सत्तर मरदन । सुरसरि जटान लसति तन ब्रहिसैं मगनन गन तन । धरत गरल गर तिलक कलहि कर नयन अनल कन । जैजै बामहि युगल सुत सगन शंभु संशी मलन १२॥

अर्द्ध चरण गुप्त चित्रम्‌

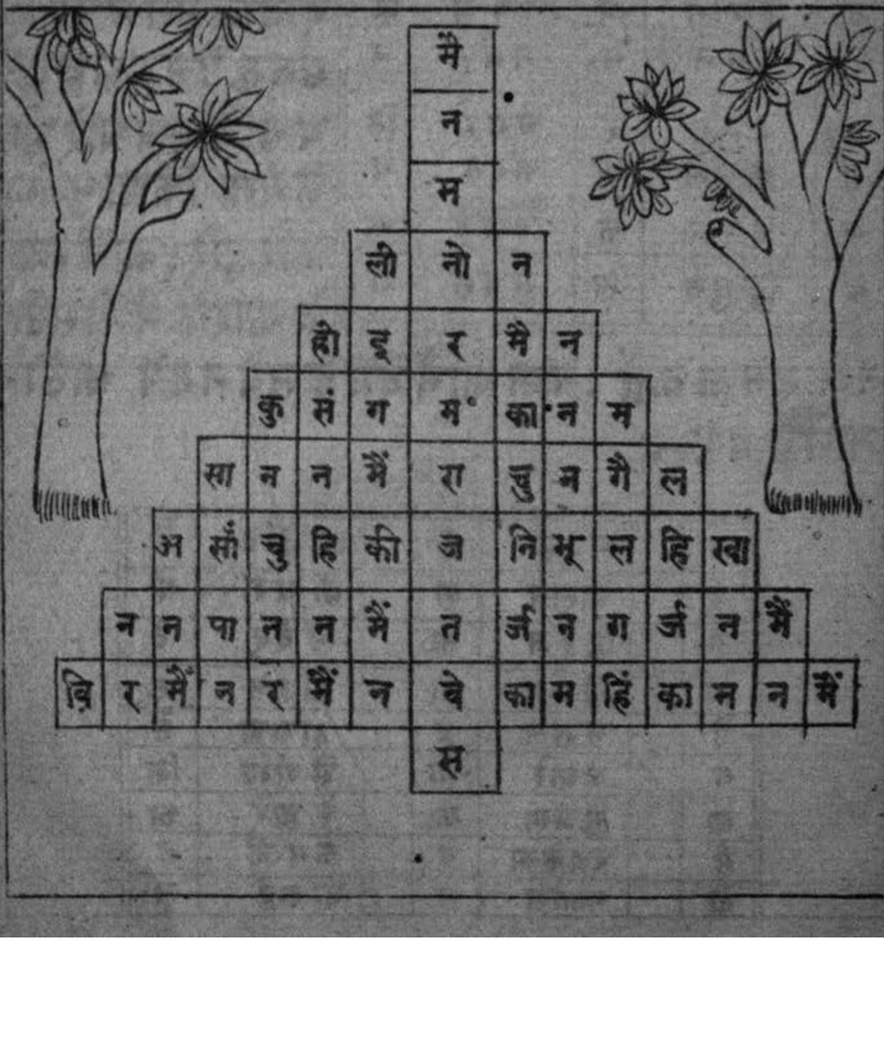
सं	तत त्रि	भु	व नव	सं
क	र न सु	म	न सम	र
म	र द न	सु	र स रि	ज
ट	निलस	ति	त न ब्र	हि
सैं	म ग न	न	ग न त	न
ध	र त ग	र	ल ग र	ति
ल	क कल	हि	क र न	य
न	अ न ल	क	न जैजै	बा
म	हि युग	ल	सुत स	ग

चरण गुप्त छप्पै ॥ नन्दन बेस सच्चा है चितै दयाल सदा हीं । धरे अंगहि रज भाल चंद देविहि संग माहीं । डमरू पैन सूलहू हाथ चामैं गजधारे शीशै गंगा किम्रा भुजंगा कारे हारे । कामैं रवाके कारक भजौ सदौ नजा समता कहूं । फल कामैं देतै है सबे न मपै आदौ जानहूं ॥१३॥

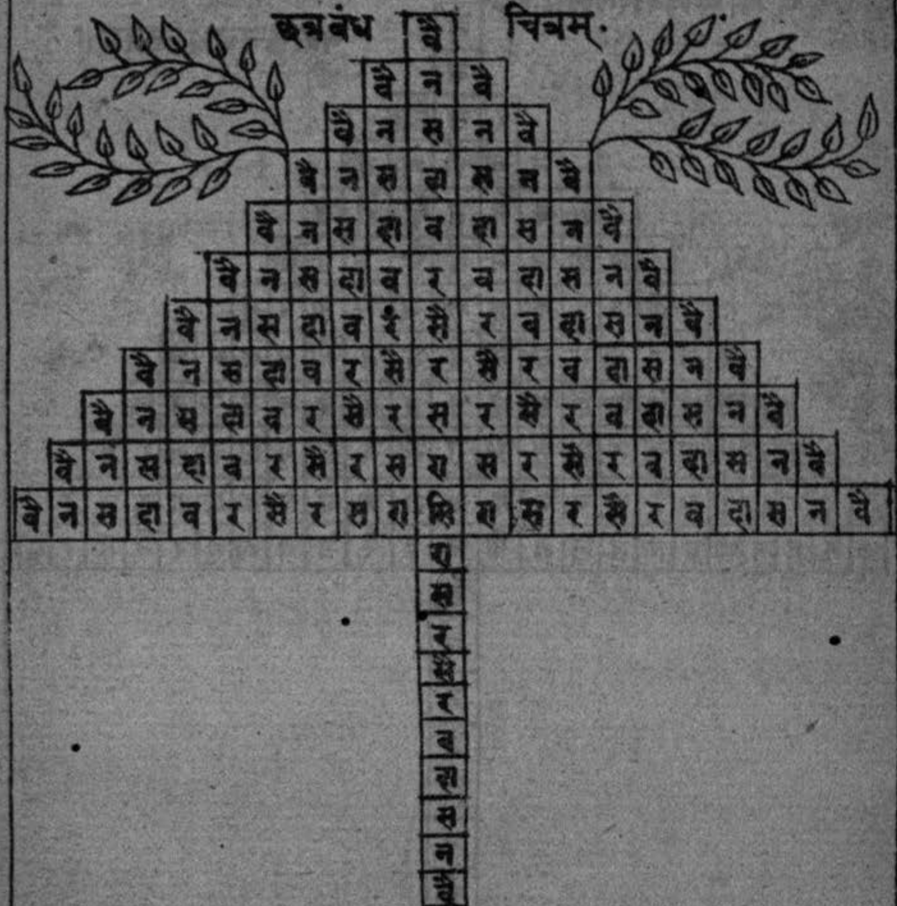
न		न्दबेस	स		च्चा है चि	तै
द		यालस	दा		हीं धरे	अं
ग		हि र ज	भा		ल चंद	दे
वि		हिं संग	मा		हीं डम	रू
पै		न सूल	हू		हाथचा	मैं
ग		जधारे	शी		शै गंगा	कि
म्रा		भुजंगा	का		रे हारे	का
मैं		रवाकेका	र		क भजौ	स
दौ		नजास	म		ता कहूं	ल

अथ पर्वत बंध काव्य ॥ मैन मली नौ न होइ रैमें न कुसंग म
कानमसानन मैं । गचुन गैल असाँचुहि की जनि भूलहि
खानन पानन मैं। तर्ज्जन गर्ज्जन मैं बिरमैं नरमैं न वे-
कामहि कामन मैं। मैन मनोरम राजत वेस सबै तजरा-
मरनो मन मैं ॥१४॥

पर्वतबन्धचित्रम



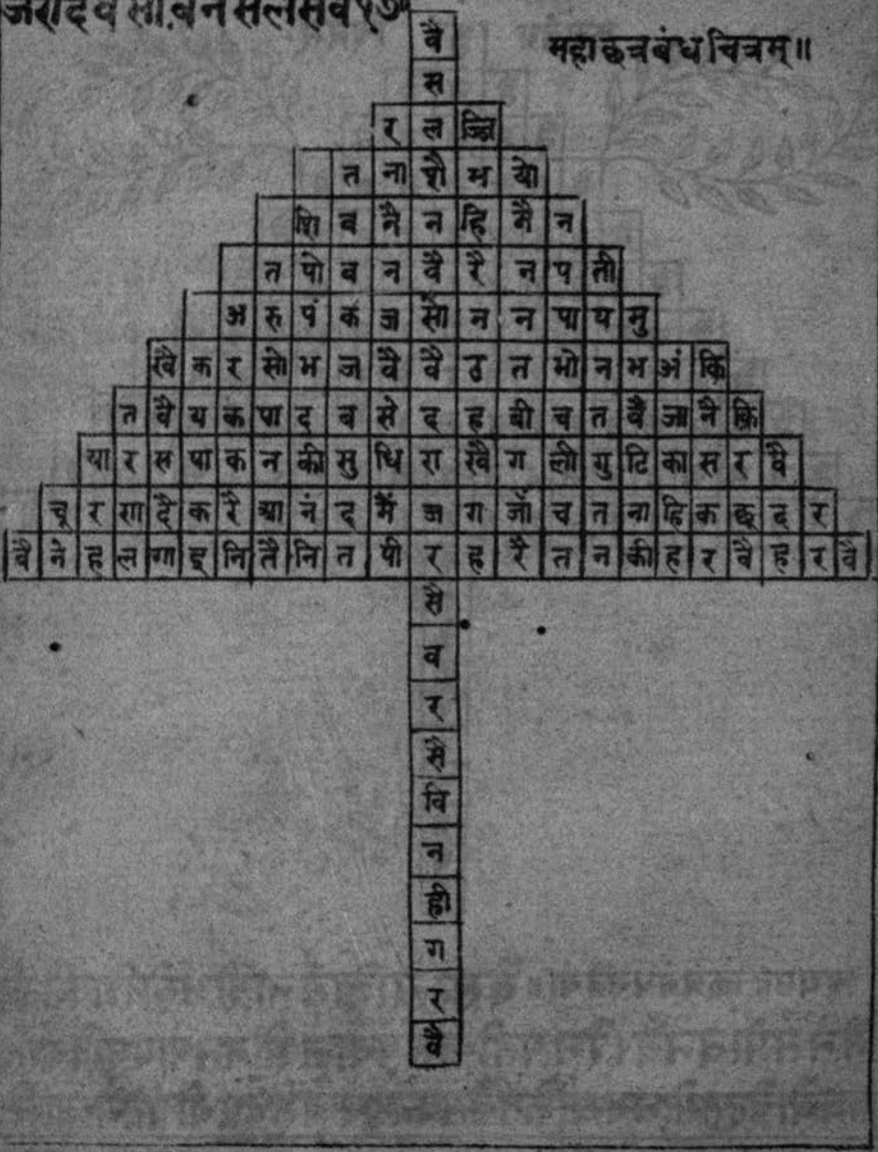
॥ अथ छत्र बंध सवैया ॥ बैन सदा बरसै रस रासि सि रा परसैं रव दास नवै ॥ ९५ ॥



अथ महच्छत्र बंध सवैया ॥ बैसर लज्जित नापी भयो शिव नैननहि मैन तपो वन वै । रैन पती अरु पंकज सो नन पाय मुदै वै कर सो भजवै । बैदत भान भ अंकित वै यक पाद बसे दह दीच तवै । जानै

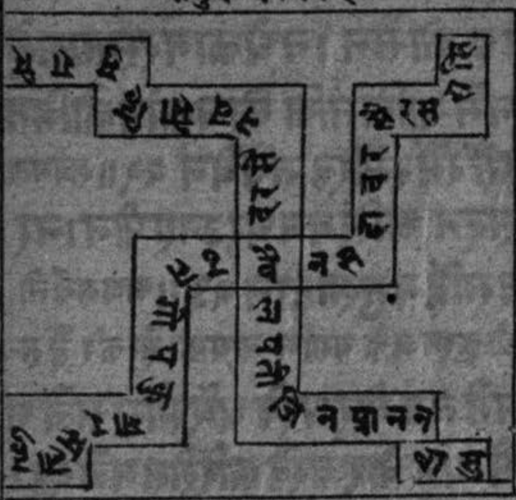
क्रिया रस पाकन की सुधि राखै गली गुटिका सर वै॥ १६॥
चूरण दै करै आनंद मैं जग जाँचत नाहिं कछू दर वै॥ नेह
लगाय निते नित पीर हरै तन की हर वै हर वै॥ वैसल सैनैव
सो वैद राज रसै वरसै विन ही गरवै॥ वैर गही न विषै खवै सैर
जरा दवै सो वैन सैलसवै १७॥

महाछत्रबंध चित्रम्॥



अथ गतागत केतु बंध सवैया ॥ बैन सदा बरसै रस रासि सिरा सरसैं रव दास नवै । बैल पती जिन आनन बासु सुवानन प्रान जती पलवै । बैदत गोप कुमार सुबाहु हुलास समाकु पगोत टवै । वैद रसै नव सोहि मुरारि रिरासु हिसो वन रीसद वै १८।

केतुबन्ध चित्रम्



अथ षोड़स दल कमल बन्ध रूप घनाक्षरी ॥ हस्त प्रवाल मद इंद्र पग नख वृन्द गुलफ कस्त रद फुलित गुलाब वृंद । पैंडुरी अनूप कद जंघ कदली दरद कारी सारी सेत सद करै शशि ज्योति मंद । लंक की लोनाई तेद लित केहरी विरद कुच गति देखि कै दवित गेवनै गयंद । प्यारी मान तजि नंदनंद नै करौ अनंद तेरे नैन मुख चंद आगे कौन कौल चंद ॥ १९ ॥

(कमल बंध चित्रम्)



अथ सर्व गतागत कवित्त ॥ सीधे राम चन्द्र को उलटे शान्त रस ॥ मैन मनो-
रम राजत वेस लखे सुरनाग नरो हर सै । मैं तनयाप्रिय
मारन हार उधारन दासन भौन जसै । मैल महा मतिऊ
बस मोहत हेरत के किइला बिलसै । मैगल शीघ्र फवै रघु-
राज सोतारक ई गज के सरसै २०॥ अर्थ गता गत दोहा ॥ नसै को
हते अलि मजै मलि अते ह को सैन । नधे काम रस तालसो
लता सरस का धैन २१ नमै आलि तजि कोन कोन को जित्त
लि आ मैन । नवै वैस हरि सैं रमैं रसैं रिह सवै बैन २२॥ सर्वगता
गत दोहा ॥ नहीं सासु नहिं सदन अलि वन धर उनए पीन । नर
पी एन उर धन वलि अनंद सहिं न सुसा हीन २३॥ अथ सर्व तो
मुख काम धेनु चित्रम् ॥ इति श्री कृष्ण जू के वर्णन नायका सो करे है स-
वैया ॥ रास रसै प्रिय मैन समै तन मोर परवे धरि सीस सजै घ
र । हास बसे हिय बैन रमै घन जोर चरवै करि ईस भजै दर ।
दास जसै दिय ऐन गमै घन सोर रखै अरि पीस रजै कर । पास
लसै तिय चैन भमै बन चोर लखै हरि ईस ब्रजै बर ॥ २४ ॥

सर्वतो मुख चित्रम्



सीधेप्रश्नउलटेउत्तरकोकबित्त ॥ कोनवराजुउरेमानसैसहमार माथीरसदाङ्कैसुकावन। कोनवबासबयेकिहीजारिपुकोन नदानमहीजनकातन। कोनगुहैजनकोयमरासोभजी है कहीतेहिकोनमहीशन। कोनबिमारहैकोगजतारकको कलहीनरकोनतपैजन २५ ॥ प्रश्नहीमेंउत्तरकोकबित्त सवैया ॥ केकी बिभासाबिभातिवनी अतिकासोसदाभंप आनँद भ्राजै। कारीबिभावरीभावतिचोरनि कोलयदंतहिभूमि बिराजै। कामहिहैसबतेदुरवारककेसबलोकनिरक्षकछा जै। कोहीतपैनिशिबासरहूं बिधिकाकैबिलोचनएकई साजै २६ ॥ अन्तरलापिकाकेकबित्त॥ कोहैभूमिपूजनीयबाहन बिरंचिकोन भाषतकपिंननाहिं कौनहिंबरनको। सत्ता लाभज्ञानऔ बिचारनमेंकौनिधातु मास्योहरिकापै बन्धु कंचननयनको। रघुराजयशतेसुयशऔरभूपनिको कहा भयो बिन्दुहतजगतशरनको। बाँधवेश विश्वनाथसहा राजपूछ्योइंद्र ऊतरुबखान्योआशुगोविंदसबनको २७ सवैया ॥ देव अदेवऋषीशंनको पशुपक्षिनकोबसिकौन कियो। देखिबिहालचराचरफूलि उतालहलाहलकौन पियो। बाहनकौनषडाननको कपहिपाइकेहोतअनन्द हियो। श्रीविश्वनाथबलीनरपालहि ऊतरुमोहरइन्द्र दियो २८॥ घनाक्षरीकबित्त ॥ शीलसुधासागरउदारढानि मौलिमणिज्ञानकेअगारगुणगाहकगुणिनके। तापहर मित्रनकेतारकेशहरिनिशि कुलकञ्जप्रातवासरेशप्रति दिनके। राजनकेराजइन्द्रसांख्यनकेशुठिसांच बुधनके बुद्धकबिराजहेकबिनके। महाराजविश्वनाथरावरेबसहिं घरचाख्योपदआदिअंकमध्यकेअरिनके २९ सूरशशिसा

तऋषिजौलौंध्रुसुमेरुरहै राजैनिजआसनमैंजौलौंइन्द्र
तुरासाह। लसैमहिमण्डलअनन्तफनामण्डलीमैंजौलौं
दिगदन्तीआठकच्छपमहाबराह । पानीपौनपावकपुरा
रिपारबतीजौलौं तौलौंबिष्णुराजैक्षीरसागरभरेउछाह।
निशिदिनतौलौं युवराजरघुराजसिंह चाख्योपदआदि
अंकरावरीकरैपनाह ३० सिधिनिधिरावरेसदनबसी
सुनिसुनि याचकसुकौनजौनद्वारपरआयोना। रोजरोज
दिशिदिशिदेशनि पुरीनप्रति कौनकबिइन्द्रजौनयशजूह
गायोना। पावनपतिततेरीतेरीरबिनन्दिनीमैं बूड़िअ
सकौनखलजौननाकधायोना। उदितउदारमतिबिश्व
नाथपासजाइचारिऊचरणआदिअंककौनपायोना ३१
बहिरलापिका दोहा ॥ कहादियोशिवरावणै कागणेशकेएक।
कौनिधातुहैवाचिमैं कोहरबाहननेक॥ बरद ३२॥ अथत्र्यक्षर
मध्याक्षरीकेकबित्त ॥ विधिसुतछन्दऋतुदेहडीठिखगहरिऔं
ठप्रनकुसपुत्रसूरतरुईशहै। कञ्जशिलपंखागन्धउदधि
अहारफलमैनमंत्रिगजवाद्यनूतनंगदीशहै। देवसीतमि
थिलेशशूद्रनारिब्योमचर जीभकुम्भकारजीवदाताजो
ऋषीशहै। अम्बरबिशदमतिबीरधीरावउवनाथअक्षर
मध्यक्षरमेंइन्द्रकीअशीशहै ३३॥ यहकबित्तकेअक्षर ॥ बशिष्ठ
पद्धरीशिशिरशरीरनजरबायस गोबिन्दअधरशपथ अ
तिथीसबिता अश्वत्थमृणाल पाथरव्यजनअगरनदी
शअसनअनार रतीश सचिवबारन मंजीरनवीन आतुर
अमरतुहित बिदेहनाइनि चकोररसना कुलाल दधीच
बसन॥ यह दोहा इसीकबित्तके अक्षरमें है दोहा ॥ सिद्धिश्रीजयाबिं
धपत्ति बिश्वनाथजगदीश। नासीचिरजीवी तुमहिं देइ

कोशलाधीश ३४ ॥ कवित्त ॥ तीरथनिलजमासठसकस
रितपति हरिधामहरिमीतदोइतीनिकीदहाय। बारहौन
क्षत्रपरतीतिपौनएकशेष तिथिमारतएडसुतजौनसबको
सुहाय। मत्तगजराजनकोबन्धनजोफूलैसर जातेभेअ
गस्तिमुनिजननकेसुखदाय। इन्द्रकीअशीशियहैबाबू
रघुराजसिंह अक्षरमध्यक्षरयेआपकोरहैसहाय ३५॥
यहकवित्तकेअक्षर॥मिश्रीक फागुन गरूर समुद्र बैकुंठसुदामा
पवास अर्यम बिश्वास समीर लङ्केश पञ्चमी करन कनक
सांकर कमल कलश ये त्र्यक्षर निकलते हैं॥ श्रीगुरुमु
कुन्दाचार्य्यस्वामीके चरणकमल ॥ गूढ़ार्थ कवित्त ॥ महारा
जबाँधवेशविश्वनाथरावरेकी बुद्धिसाढ़ेतीनिननहोइप्र
तिबासरे। लौंमसितेएकननउमिरितिहारीहोइ तेरेतेज
अरिबृन्द डेढ़ननसोंजरे। तीनिननप्रतिजेतोगुणग्राम
रावरेमें तेतो इन्द्रसाढ़ेचारिललभावकोधरे। दानिनके
मौलिमणिरावरेकोऐसीमेरी बीससससससरटैरसनानिर
न्तरे ३६॥ अथ पहेलिका दोहा ॥ दोईजीवकेबीच में एकजी
भद्दगतीन। पाणिदोइषटचरणहैं जानहुकबिपरवीन ३७
भेकंबाहनशुक्रहै॥ अथयशकेकबित्त॥सातोंसिंधुतरितरिसातो
द्वीपपूरितकै उभत्योंदरीनभरिमेरुगिरिवरकी। भणतक
विन्द्रदिशबिदिशबिराजमान रावरोसुयशर्जातिज्योति
सुधाधरकी। सिद्धिश्रीमहाराजबीरविश्वनाथसुनोबाढ़त
अमितअबताकोकलूहरकी। नातरुब्रह्मांडयहबीसबिसे
मेरेजान दिनादशबीसहीमें दाड़िमसोंदरकी ३८ कीटप
शुपक्षिनरदेवताअदेवऋषि तेरेपेटरहतयेरैनिदिनकल
सों। इन्द्रपरिवारयुतहमरोतोसबभांति भलहैहमेशयेरे

एकतेरेभलसों । बाढ़तअमितयशरोजरघुराजकरयाते हमकहैंत्राणीहीनीछिन्दछलसों । दिनदिनदूनोंदूनोंबाढ़ैबाढ़ैब्रहमांड नातौदर्किजैहैआशुपाकेआकफलसों ३९ प्यारोरूपरावरेकोकहतडरततातेकहतनजोतौरोजजी वईजरतुहै । सीखदेनवारोओौरभूपमहिमण्डलमें देख्यों कैबिचारदूजोचित्तनापरतुहै । सिद्धिश्रीमहाराजइन्द्रवि श्वनाथसिंहऐसाकौनजौनआसपैसाकीधरतुहै । तुमतौ करतकबिभौननितसोनहींके रावरोसुयशफेरिरूपेकेकर तुहै ४० पिताकेनगुणएकौपुत्रनमें पेखियतु लाग्योकलि कालअबजगतजोगावतो । आपकरकञ्जतेप्रकटयशजा तेसबआपहीकीचालुएकौमनहिनलावतो । बान्धवेशम हाराजइन्द्रविश्वनाथसिंह आपरहैंभौनवातौपौनगौन धावतो । गुणिनकेगेहतुमहाटककेकरौवातौहीरनकेसि गरेजहानकेबनावतो ४१ अम्बरसोंअम्बरतखोनासों तरनितुलैतारापतिरुन्धतीकेतारालौखगतुहै । हीरासों हिमाचलसुबेलबालबेलसम बेरसोंसुमेरुजलजालसों जगतुहै। बाँधवपतिपादशाहइन्द्रविश्वनाथसुनोपारावा रपारदकोबिन्दुसोंडगतुहै । रावरोसुयशतम्बूतन्योदशों दिशानिमेंताकेबीचजम्बूद्वीपजम्बूसोंलगतुहै ४२ चौरक चआननमयंकदरकंठकुचइन्द्रगजकुंभसारीचांदनीसुहा ईहै । भूषणमुकुतवज्रफूलीकल्पलताबाहुनाभिशेषकुंड लीकदलिजंघगाईहै । पैंडुरीद्विरददन्तचरणकमलसेत जीवसतोगुणगतिहंसिनगनाईहै। बीरविश्वनाथसुतधी ररघुराजसिंहकीरतितिहारीतिहुँलोकसुखदाईहै ४३ बाँ धवनरेशबीरधीरविश्वनाथयश सातसिन्धुनाँघिसात

द्वीपससरतभो । तलअधवितलसुतलतलातलभेदिरे लिकैरसातलपतालफसरतभो । फेरिहरिहरहरिलोकनि मँभायइन्द्रधेनुसत्यछायब्रह्मलोकअसरतभो । दिनाद शवीसतेउभरिसबैओकनते लोकालोकभूधरकेआगेपस रतभो ४४ प्रथमपतालपैठिशेषकैधराहिधस्यो फेरिक्षीर सागरकैहरिमनभावतो । मोतीशंखहीरककपूरतारातार केशचौरचन्दनादिभयोफूलसेतजावतो । हंसहिमवान हरगिरिजागणेशभयो इन्द्रकहिहास्यबनिभुवनहँसाव तो । बाँधवेशविश्वनाथमहाराजरावरेको होतो न सुयश बिश्वबिधिकाबनावतो ४५ दूधहिसमुद्रतेदिशानकोप्र माणहोतहिमगिरिमारगअकाशगयोलेखियतु । ताराप तितारालखिप्रकटप्रबोधहोत इन्द्रपुरमध्यबरवारणबि शेषियतु । वृषभमहेशजूकेगेहमेंबिरंचिघरहंसकोलकु ण्डलीशअधअवरेखियतु । वीरधीरयुवराजरघुराजराव रेकीयशकीनिशानीतिहूंलोकनिमेंदेखियतु ४६ ॥ अथतरवा रिकेकबित्त ॥ कोईतेजंतीखनचिलोकितरलाईअतिचंचल सीभाषैकोऊभाषतभुजंगिनी । देनीसुरलोककीबरनसम ताईलखि भाषतकबिन्द्रकोईकालिंदीतरंगिनी । बांधवे शाविश्वनाथमहाराजरावरेकी तेगकोबखानैकोईशम्भु अर्द्धंगिनी । फूलेअरिमुखकंजरणसरमध्यतिन्हैं भंजि नीसुमेरेजानमातीयामतंगिनी ४७ पानिपअसितधार तीखनतरलमई देखिकविराजकोईकालिन्दीप्रमानकी । कोईकहैचंचलाकरालकेतुकलाकोई भाषतकटाक्षकाल कण्ठभगवानकी । कोईमहाकालजीभकोईकहैपन्नगी है कोईअपकीरतिअरीनकीबखानकी । महाबाहुरघुरा

मेंभारी हैं । जाकेयशजहजगहरितअरुणपीत श्याम औररंगसबेसेतरंगधारी हैं । सूरकेतुरंगनतेचंचलतुरंग तुंगदीहदीहदन्तीदिगदन्तिमदहारी हैं । भाषैंअधिकारी केनकविताके अधिकारी धोकेजातछत्रधारीजाकेयोंभि खारी हैं ५८ शूरशिरताजयुवराजरघुराजसिंह सहजशि कारजबकढ़तसभीरभे । ढहतकुधरधरडगतिधरणिमाहिं दिग्गजकमठकोलअहिपअधीरभे । निकरनगारेइन्द्रना गघण्टनादनिते अलखओखारअमबागेरेबहीरभे । भिक्षुक फ़क़ीर रंककोटिन अमीरभये अमितअमीररणधीरते फ़क़ीरभे ५९ कढ़त अखण्डदल बांधवेशरावरेके तेज केउमण्डचण्डप्रभाचपैभानकी । डोलैमहिमण्डलअख ण्डनवोखण्डलियेइन्द्रफनामण्डलीअनन्तभगवानकी । सूखिसरसागरसरितनदीनदनारफेरिभरिजातपाय वृष्टि गजदानकी । दुंदुभीधुकारसुनिशत्रुनकोभूलैसुधि न्हान दानगानकी सुखानपानप्रानकी ६० चारिभुजप्रतिहार सरसरमीकेरोज साजिचतुरंगदललेखिशुद्धघरीहैं । तुर कीतुरंगतुंगतुरततमकिचढ़ि बाबूरघुराजसिंहजहींतेगध री हैं । डङ्काकीडमकसुनिदरिनगेदावादार परदारमंडली सुऐसीअटकरी हैं । खाटपरीब्याकुलबिहालहाटबाटपरी घाटपरीघूमिचितत्योंउचाटभरी हैं ६१ वीररघुराजसिंह नाहकसजतसैनतेरे तेजदुरीरहैशत्रुचमरंडासी । मोदकसे महीधरमसकिमसकिजैहैंखण्डखण्डह्वैहैं औनिअण्डज केअण्डासी । दाबिहैंहैंबलिराजबलतेबलितबलिगंडरिव राहडाढ़जैहैविषदण्डासी । शेषफनामंडलीसिलिधसीम सलिजैहैकमठकठोरपीठिजैहेफूटिहण्डासी ६२ बैरीछन्द

काननमेंबोलैं एकएकनसोंसहिबोकबूलहै त्रिशूलशैलरा
जकी। कालीकरवालअरुशक्तिशंभुसुवनकी सहिबोकबू
लत्योंकुठारऋषिराजकी। चारिभुजचक्रधारमारकालदं
डहूकीसहिबोसुढारझारपर्वतारिगाजकी। सहिबोकठिन
इंद्रकुटिलकटाक्षआज हिन्दशिरताजयुवराजरघुराजकी
६३ तेजपरचण्डनवोखण्डमहिमंडलमेंदीसैजासुइन्द्रनि
शिबासरहमेशहै। पावतप्रवेशनहिंपापुसिंहिकाकुमारचो
रशत्रुकुमुदउलूकनिकलेशहै। दानदयासत्यशौचफुलित
कमलबनरंचनअनीतिअन्धकारकोनिवेशहै। सिद्धिसिरी
महाराजबीरविश्वनाथसिंह विन्ध्यगिरिउद्दित याऔरई
दिनेशहै ६४ चलंतप्रचण्डचतुरंगिनीचटकदार बांधवे
शदानमानज्ञानगुणसेतुकी। अण्डजगतीहुजगतीजग
तीधमिटैडोलैजगतीहुजगतीधरअचेतुकी। दीहतेजधूम
केतुधूमकीसमानधूरिकेतुकीनिकेतुकीयकेतुकीभेकेतुकी।
केतुकोपटलप्रलैकेतुकीप्रमाणदेखि केतुकीवरनअरिभये
दशाकेतुकी ६५ बांधवनरेशसूनुबीररघुराजसिंहसुनिसु
निरावरेकीतोपनकीतरजैं। बैरिबधूबरनसोंबोलैंबिवरनत
नइनसोंबरनरनकंतसुनोबरजैं। दरजैहैंदरजैहैंआदरकद
रजैहैंइन्द्रकहैदरजैहैंसाहिबीकेदरजैं। गरजैहैंगरजैहैंनाग
रनगरजैहैंनागरनगरजैहैंगरजैहैंगरजैं६६ स्याररसमसैय
दससातशेषससकसेलोखरसेखानमुगुलानमृगगोलसे।
चरखसेचीनपतीकीशसमफरासीस गवयसेअंगपगोरंट
गजटोलसे। कंटकीसेकेरलीकलिंगीभालुबंगीवृककूरक
रनाटकीहुकच्छसुजीकोलसे। धरणिअरन्यमेंबिडरिउठे
चारिओरबांधवीबघेलविश्वनाथसिंहबोलसे ६७ सहज

शिकारजबकढ़तकरिन्दचढ़ि इन्द्ररघुराजरघुराजकेहरो
लसे । बाजिनकेहींसैंगजघंटनिकेघोरशोरफैलैचहुँओर
मिलिदुंदुभीकेबोलसे । सुनिशत्रुजेरैभजैडरतकलंकीहो
तपीरेपरैंसुततजैंडोलैंबनमोलसे। कासकेकुरंगसेकुविन्द
सेकलानिधिसे केतकीसेकोकिलसेकुंडलसेकोलसे ६८
शाहनकेशाहनरनाहविश्वनाथसिंह कढ़तशिकारजबस
हजसुभावते। अम्बरसोंअम्बरहलतढहैगिरिमिगक्षोणि
डगमगतिसरसतुच्छनावते । सातलोकदांबिजातसात
लोकधूरिधार सातसिन्धुबारबारचारिओरधावते । गेह
गूढ़गढ़तजिभागिकैगर्जीमगन गह्वरगिरीशनगोपालगी
तगावते६९ बिन्ध्यपतिविश्वनाथनन्दरघुराजसिंहरावरे
तुरंगजहींएंड़बेंड़नचैहैं । धूरिधारअंधकारदेखिदिगद्वा
रनभेंबैरीगणविकटविपिनथलरचैहैं । तलअधबितल
सुतलतलातलमाहैं कहलैंरसातलपतालमध्यमचैहैं ।
लचैफनशेषकेसुकचैकक्षपीठिपरैहचैहियकोलदिगदन्ती
देहदचैहैं ७० कढ़तअखण्डदलबांधवीबघेलकरधूरिते
दिगन्तबिदिगन्तजातभरिहैं । इन्द्रडङ्कसुनिहोतलंकवं
कलौंसशङ्कचलतकुपंथचौंकिमारतंडहरिहैं। टूटेजातत
रिवरफूटेजातगिरिवर घूटेजातसरिवरलूटेजातअरिहैं ।
खूटेजातखलकुलजूटेजातसातसिंधु ऊटेजातशेषफनकू
टेजातकरिहैं ७१ कूरकरनाटकलकत्ताकोनकाशमीरका
बुलकलिङ्गकलकानितेरहतहैं । व्याकुलबम्बईबंगबल
कचैराटबीरबंदरखंधारबारबारउजहतहैं। विश्वनाथभूप
केदुलारेरघुराजइन्द्र खेलमेंअकेलजयशेलकोगहतहैं ।
लङ्कपतिबाहनकुबेरअमरेशहूके गर्बनिगहितगढगव्वर

ढहतहैं ७२ बांधवबघेलबीर विश्वनाथ बलवान बांधव की बलजबबांधिकैकढ़तुहै । बाजिखुरथालनतेगजकर्णतालनतेप्रेरितअपारधूरधारसेबढ़तुहै ॥ मारूकेउचारनतेदुन्दुभीधुकारनतेवारनचिकारनतेभूतलमढ़तुहै । वैरिनकेमुखतेउतरिकैअरुणरंग दीनद्विजदानिनकेआननचढ़तुहै ७३ लाखनगयंदविश्वनाथ विश्वनाथजूके शुंडमहिमंडलपटकिजबतरजैं । भासमानहयडोलैत्रासमानआसमान होतीगिरिशृंगनकीअंगनकीहरजैं। खलभलहोतदिगपालनकेदलदल जातीदिगदंतिनकीछातिनपैदरजैं । कोलकहलातहहलातकच्छपीठिपर शेषकेहजारशीशबारबारलरजैं ७४ बांधवनरेशबलीबीर इन्द्रविश्वनाथरावरीकढ़हिंजबबाहिनीमहानी हैं । भारी भूपमानी एकएकनतेसानी तेवेदीनगतिठानीमिलिकहैंहीनबानी हैं। ध्यावती भवानी निशिबासरसकानीनहिंधीरजनिशानीपरशानीमुरझानी हैं । भाजतीपठानीफिरँगानीशेखसैयदानी देतीउरपानीमुगुलानी अकुलानी हैं ७५ ॥ सवैया ॥ बांधवइन्द्रकेसज्जिचलैजबगज्जिगयन्दमदन्धमुदैंभरि । झूललटक्कतकूलमटक्कतशुंडपटक्किचटक्कतहैंधरि । शैलखसक्कतछोनिधसक्कति सिंधुछलक्किभभक्कतहैंहरि । सक्कतशेषकसक्कतकच्छमसक्कतकोलफसक्कतदिक्करि ७६ ॥ कवित्त ॥ बज्रीबज्रपाततेसमीरपुत्रलातते दुरंतसन्निपातहूकेउद्धतप्रतापते । कालकूटपानतेसुरेशसूनबानते सुकालिकाकृपानते बचेद्विजेंद्रपापते । कालदण्डमारते मुनींद्रकेकुठारते त्रिनेत्रशूलझारते अशुद्धमंत्रजापते । कपिलसरापकीझराप

तेबचैअरी बचै न रामपरसादतोपकीतरापते ७७ स
हजकढ़तजबभाषतहैं इन्द्रकबिबांधवनरेशवारीदीहर्द
हकटकैं। मानुषगनावेकौनराकसपिशाचयक्ष देवदनु
जाधिपतिदेखिदेखिभटकैं। अचलअकारतजिगहतस
कारसब्र आसबारेहाथिनकेकुम्भकूलचढ़कैं। फननकोफे
रिफेरिफरफरिफनीपत्ति फेरिफेरिकमठकठिनपीठिपटकैं
७८ बांधवनरेशबलीवीरइन्द्रबिश्वनाथरावरेचलतजब
हाथिनकेहलके। भूलैंजरवाफीहीरहाटकघटितहौदमंद
होतमारतंडमारेभलाभलके। डोंगासीडगतिभूमिभूमि
धरढुंगढहैं ऊरधउदधितिरजकजातछलके। बन्दरबैराट
धीरबरबेप्रमानहोत अंगीत्रयलंगीऔकलिंगीबंगीबल
के ७९ काबिलबिलायतबिलातजातबारबारबंदरखंधा
रसिंधुपारभाजतेसगोत। मनते प्रसन्नकहूंखातनहींअ
न्नवन्न पियतनथन्नसुखदुवनसुवन्नपोत। कत्ताके कस
त तेरेइन्द्र बिश्वनाथसिंह पत्ताकीतरहकलकत्ताकम्पमा
न होत। पट्टनकेभट्टबहुजुट्टनकेजुट्टजुटिचट्टपट्टपट्टकेकपा
टसट्टैंअघकोत ८० चलतप्रबल दलबांधवनरेशकरथह
रिथहरिअरिपरत चरनतर। छलकतफलकतउदधिबि
कलजलउलटतपलटतसकलसुजलचर। हलतबियतद
लमलितअवनितलभनतकविंद्रडगमगतकुधरधर। ल
चकतअहिपति कचकतकमठहिं दचकतकोलतनमच
कतकरिवर ८१ क्षोनिजहरितलगीलतनिजमातिलसैं
फूलफलभांतिभांतिगन्धसरसतुहैं। घरघरखोरखोरश
हरचतुरओर ठोरठोरइन्द्रमकरन्दबरसतुहैं। कुंजरम
हनामत्त पुंजनकेपुंज फिरैं स्यन्दनतुरंगतुंगभुंडदरश

तुहैं। भूपविश्वनाथकरसकलसमाजलखि देवदेववरुण कुबेरतरसतुहैं ८२ ॥ सवैया ॥ बांधवभूपकीजेतीअनीकि नीजोकबहूंनिकसैंयकसंगम । होयतोआसुहिउच्छलि कैंजलसिन्धुकोसंगमअम्बरगंगम । इन्द्रकहैअहिलोक मिलैयहराजतजोशुभथावरजंगम । दिग्गजकोलकछू हनिकोकहे प्रानरहैनअहीशकेअंगम ८३ ॥ कवित्त ॥ सं भरलहौरलखनऊखुरासानबंग अंगत्रयलंगओकलि गसहमतुहैं । मारवाड़मालवामगधकरनाटकूरबन्दरखं धारखसीहूंनहहमतुहैं । काशमीरकाबिलबलकबयराट इन्द्रकामरूपकारापथरूमदहमतुहैं । महाराजरघुराजते रीफौजफैललखि फरासीसफक्करीफिरंगीफहमतु हैं ८४ सहजकढ़तयुवराजरघुराजजबकगरअनेक गिरिमगमहैं मसकैं । महलमहानतुंगधनदसुरेशहूकेधमकतेइन्द्रकहैं बारबारखसकें । अकलबिकलजलजन्तुहोतजलधिके पंककेपहनसमनवोखण्डधसकैं । कमठकठिनपीठिबी चहींकचटिजातशेषकेसहसफनतिललितकसकें ८५ का शमीरकलकत्ताकेरलकलिंगकूरकरनाटकाबिली करेजक रकतुहैं। भनतकबिन्द्ररूमशामसबराष्ट्रसालुसूरसेनसिंधु सिन्धुपारसरकतुहैं। मुलतानसुलतानहबसानखुरासान लावासेलुकातकाहूनाहिंखरकतुहैं। विश्वनाथनरनाथते रेदीहदलदेखिदरदरअरिनकेउरदरकतुहैं ८६ मारुतम हानकीजहानपैतराहपरी धूरिधारधुंधुरितभातिभानभा नकी। टूटैंबागबाटिकाअरन्यहोतीहैंबिहालकीटपशुपक्षि जीवजतीजेजहानकी। बापीकूपसरनकीकदकहानदीनद हृदछोड़ैंचारिउसमुद्रजोप्रमानकी।ग्रीषममहानकीचढ़ाई

किधौंइन्द्रयहराजनकेराजबिश्वनाथबलवानकी ८७ ॥
यमकेकबित्त॥ काहूकेहृदयपरनारिहीबसतनितकाहूकेहृदय
लाभलोभसरसतुहै। काहूकेबिषमद्रोहकोहपरनिन्दरहैं
काहूकेहिराजमदद्वंदविलसतुहै। काहूकेहृदयबलबिक्रम
कपटदलकाहूकेबिहदधनमददरसतुहै। दानतेसहितहि
जमाततेगहितनित बांधवनरेशमनमाधवबसतुहै ८८॥
सवैया॥ कैमरयादबिहायचली यहधारबड़ीसरितापति
हीकी। देनसबैसुखआईमही सुरवृक्षनफूलीफलीपटली
की। इन्द्रउदारसिरीविश्वनाथकीराजतिकीरतिहीकीरति
की। श्रीरघुराजकीसैनकिधौं यहमूरतिहीहै बिजयदशमी
की ८९ कबित्त॥ विंध्यपतिविश्वनाथरावरोसुयशसिंधुइंद्र
कबिराजकोईआजुतकनैंतरयो। चारिमुखकरिनिजबिधि
कहिहारयोजब तबतिकमण्डलसुदंडकरमेंकरयो। शेष
केसहसफनबीचद्वैसहसजीभ पायोनहिंपारतबजाइतल
मेंपरयो। कहिबहुकालजबथाक्योतबशपथके देनहेतच
न्द्रचूड़गंगमूंड़पैधरयो ९० उमिरिदराजयुवराजरघुराज
इन्द्ररावरोसुयशबढ़योपूरिजिड़जंगमैं। अरुणहरितपीत
औरजितेरंगसबै तितेगरगापभयेएकसेतरंगमैं। जेते
नरनागसुरसिद्धपशुपक्षीसंग तिनकेरहतशोचछूटिबेको
अंगमें। याहीहेतहरिनिजनारिकरिराखीउरशंभुशिररा
ख्योगङ्गगौरिअरधङ्गमैं ९१ आतुरचढ़तभयोतुंगनगि
रीशनपैशृङ्गशृङ्गदौरिकै दरीनिकुञ्जमेलिगो। ग्रामपुर
छाइछाइशहरमँझाइसब नदीनदतरिकैनदीशपारहेलि
गो। पेलिगोपतालअरुतेलिगोअकाशबहु झेलिगो
बिरंचिलोकओकओकरेलिगो। दानऔकृपानयशबीर

विश्वनाथजूकोआशादशभांतियहिं आसुऐलिफैलिगो॥
९२॥ सवैया॥ शत्रुसमूहनपैं जिहिंडीठि कलिन्दसुतार
त्रिलोकनिशेनी। मित्रनविप्रनबन्धुनपै मुसुकानिसुगंग
सबैसुखदेनी। इन्द्रसरस्वतीराजैंतहांकबितारचनानिमें
जोमतिपैनी। श्रीविश्वनाथमहीपतिमें सजसागरसंगम
सोहैत्रिबेनी९३॥ सर्वरसकेकंबित्त॥ देवनमेंईशजिमिअहिन
अहीशजिमि पौनपूतकीशजिमितारनिनिशीशहै। ग्र
हनिदिनेशजिमियक्षनिधनेशजिमि गननिगणेशजिमि
मेरुज्योंगिरीशहै।साखिनमेंकामतरुनामनमेंरामजिमिबे
दनमेंसामजिमिअंगनिमेंशीशहै। भनतकबिन्द्रतिमिक्षो
निकेक्षितीशनमें वीरधीरविश्वनाथवांधवक्षितीशहै ९४
वारिधरवृन्दभरिभरिमेरैंबाड़वागि वारिवारिवारिनिधि
वैसहीभरोरहै। तमतोमतोरिबेमेंउदितरहतरोजिताराला
रकेशरविपैतऊअरोरहै। इन्द्रआदिदेवतातितीसकोटि
दावेचढ़ैसुरतननेकुमेरुउन्नतखरोरहै। बांधवमहीपकेम-
तङ्गमतवारनकेभारननेविंध्यअजोंऔंधईपरोरहै९५दी-
हभवसागरमें येरेजलजन्तुनृपो डोलतनिशङ्ककहाभूरि
सदधारिहै। उछलिउछलिएकएकनकोखायलेतकाहेनि
शिवासरह्लंकरिकरिरारिहै। देखिकैंतिहारेफैलपथिकजो
कोईइन्द्रप्रबलबघेलखण्डजाइकैंपुकारिहै। त्रिहद्दशिका
रीविश्वनाथसिंहमहाराज नीतिमहाजालमेलि फांसि
मारिडारिहै ९६ महाराजविश्वनाथतेरेयशसागरमेंसाम
दामदण्डभेद बीचिनाथिराकैरें। बाहुबलपालितमही
पप्रजापुंजनकी पुण्यमयी निम्नगा निरन्तरेंगिराकैरें।
विप्रबन्धुकबिराजयाचकसमाजनके अभिलाषमीनइन्द्र

तोषितकिराकरैं । सन्ततगलीमनकेओजअभिमान ज्ञान मानसविकारभारश्रामकघिराकरैं ९७ सातऋषि सातद्वीपजौलौंरहैंसातस्वर्ग सातऊपतालअरुसातऊ रहैंगिरीश। सातबारसातचौकराजहिनक्षत्रजौलौंसात सतापौनब्योमसातऊरहैंनदीश। सातचिरजीवीजौलौं भुवनविराजमान नामरहैसातपुरीआदिमध्यअन्तईश। सातकुम्भद्वैततौलौंसातअङ्गराजकरौ बांधवेशविश्वना थइन्द्रकीयहीअशीश ९८ एकहरिनामदोऊसूरशशि तीन्योगुणचार्योवेदपांचौतत्त्वजौलगिगनेरहौ । छैयो रससातौशैलआठोबसुनवोनिधि दशौदिगपालजौलौं राजैंरुद्रगेरहौ। भनतकविन्द्रजौलौंजगतमेंबारांमाससो हतधरणिबीचबिश्वदेवतेरहौ । चौदामनुपन्द्रातिथिजौ लौंजगबिश्वनाथ तौलौंसुतसाहिबीसनेबनेठनेरहौ ९९ कीरतितिहारीचहुँओरमहिमण्डलमें देशदेशफैलीबन बागनलतानमें।दिनदिनआठौयामरावरीरहतिमतिदान द्विजमानभगवानगुणगानमें । बीरधीरबांकुरोसमर्थगु- णमानतोसोंहेरिहार्योइन्द्रदिलदीवेउपमानमें । विश्वना थभूपके कुमाररघुराजसुनो रावरेसमानएकरावरेजहान में १००तीनिपुरपापपुञ्जनाशिनीत्रिपथगासीकहतिबिश दमतिकोईकबिवरकी। कोईदूधधारासीबिमलछबिबरण तकोईचारुचन्द्रिकासीभाषैंहिमकरकी।शेषजूकीद्युतिस मइन्द्रकबिकोईकहैकोईहिमगिरिकांतिकोईद्युतिहरकी। बैरिजसबिन्दुमोतीभक्षिणीसुदेशदेश हंसिनीहैखासीकि र्त्तिबांधौगढ़धरकी १ ॥ अद्भुतध्वनि ॥ टरतनसपतेलजुरेदो उदलभटउनम दपटाकिपटाकियकयककराहिअङ्गगलित

गरद्द। अंगग्गलितगरद्दवतमरद्दरदारद्दलिद्दलिन
द्दहुंदिशिहद्दरकर। क्रुद्धद्धनुधरियुद्धद्धरणिबिरुद्धद्धरम
न।कट्टोपमुकुट्टट्टसुभट्टरतन १॥दूसरि॥दरीदन्तनरिस
भरेभिरिगेसुभटउदग्ग। भूरिभारभूतलहलैखग्गग्गतिड
गमग्ग। खग्गग्गतिडगमग्गग्गहतनपग्गग्गगनहि।
उग्गग्गजबहिदिग्गग्गजगुनित्यग्गग्गरबहि। क्रुद्धद्ध
वरतयुद्धद्धरणिबिरुद्धद्धरिधरि। नद्दहुरदबिहद्दद्दलद्दुत
कद्दद्दरिदरि २॥ तृतीय॥ गजवरचढ़िसजिअमितदल बि
श्वनाथनृपनग्ग। सहजकढ़तजबइन्द्रभनि अग्गग्गि
रिडगमग्ग। अग्गग्गिरिडगमग्गग्गातकुमग्गग्गति
धर। त्यग्गग्गघहिखग्गग्गहतनपग्गग्गहिकर। अं
गग्ग्रसितकलिंगग्गलित सुबंगग्गढ़डर। डग्गग्गगन
पतङ्गग्गदितभुअंगग्गजवर ३॥ चौ०॥ गरजिबघेले
पिलिचलेनईगढ़ीकेहद्द। खुलतखग्गदोउदलरुधिरनद्द
द्दीहउलद्द। नद्दद्दीहउलद्दद्दुवनमरद्दरपत। गुस्सस्सटि
तहरस्सस्समरस्सरस्सस्सरपत। लत्तत्तजितजित्तत्तुर
तसुकत्तत्तरतर। ख्यल्लल्लरतचुरिल्लल्लीनवेतल्लल्लसि
गर ४॥ कवित्तदानके॥ असनबसनघनधनदीन्हेदीननको
बनदीन्हेबैरिनसुमनदीन्हेसमको। देशदीन्हेदुखिनबिदे
शदीन्हेविमतीनक्लेशदीन्हेकोहिनखलनिघरयमको। डर
दीन्हेचोरनिकठोरनिकहरदीन्हे करदीन्हेरैनिदिनकेसब
करमको। जगतकोमीठीबातदीन्हीइन्द्रविश्वनाथडीठि
दीन्हीधरमकोपीठिअधरमको ५ मणिमयीसाजनतेसा
जिसाजिबाजिराजगजनकेगंजदीन्हे कबिनसमाजको।
खीरदीन्हेभूख्यन पियासेनकोनीरदीन्हे हीर[illegible]पीरदी

न्हेबीरशिरताजको। दाताबलभद्रसिंह बन्दिदीन्हेचंच
कनिग्रामधामछन्दइन्द्रदीन्हे गुणसाजको। बानदीन्हेबै
रिनजुवानपरवीननकोमानदीन्हे मित्रनसुप्राणप्रागराज
को ६ तापत्रयहारिढिगभागीरथीआपत्यागि पानकरै
जौनतप्तपल्वलसमलपाथ। कोकमतनास्तिकीबखानै
जौनरैनिदिन परमपुनीतइन्द्रछोड़िहरिगुणगाथ। काम
धेनुतजिजौनआशकरैरासभीकी पारसुबिहायजौनआ
यसुगहैसुहाथ। देवतरुतजिजोबबूरखोजैथानथान तौ
नविश्वनाथछोड़ियाचै आननरनाथ ७ गंगाजूकीधार
जिमिपातकपहारपर रैनिअन्धकारपरज्योतितारकेश
की। भेकनपैभोगिनीज्यों भोगिनपैमोरिनी है गिरिन
केग्रामपरगाजिअमरेशकी। चण्डीचण्डमुण्डपरसिंहि
नीबितुण्डपर बिघनकेभुण्डपर प्रार्थनागणेशकी। इ
न्द्रजिमिबारिदपैमारुतमहानगति त्योंहीदीनदारिदपै
दृष्टिबांधवेशकी ८ ग्रीषमगहरवार भीषमतपततेज
पाथसबिलन्दहदहाड़ादरसन्तहै। भणतकविन्द्रदिशि
बिदिशि बिदितवेश विमलबिरदराना शरदलसन्तहै।
जाकीसेलशालति सकलबादशाहनके कारकखलक
अन्तखींचिहीहिमन्तहै। कूरमकलशसोहै शिशिरअ
नन्तछबि बांधवीबघेल विश्वनाथजूबसन्तहै ९ बेद
परिपूरणपुराणनबिदितयश बासवकेजीवजिमि शुक्र
दानवेशके। चौदहभुवन मध्यब्यापित अनन्तगुणइन्द्र
भोसुमन्तभगवन्तकोशलेशके। दत्तूशाहभोजकेजिला
खैंदयेयाचकनि बीरबरअकबरशाहखलकेशके। विहद
प्रतापतिमिमित्रभयो दीनबन्धु राजनकेराजबिश्वनाथ

वांधवेशके १० चांदीचारुचामीकरदण्डपाणिचोपदार
चोपसोपुकारैंआगेबन्दीगुणगाथहैं । बाजीबेसवारनस
वारशूरचारोंओर सोहैंदष्टिछोरलौंसुअस्त्रशस्त्रहाथ हैं ।
स्वच्छमणिमोतिनकेगुच्छनिग्रथितछत्र छाजैचारुइन्द्र
चारिचौंरढरैंमाथहैं। गजरथराजैयुवराजरघुराजयुतदश
रथसागे महाराजबिश्वनाथहैं ११ बन्धुबलभद्रसिंहगये
हरिलोकजब भयोनमलीनमनयेतेदीहदुखते। युद्धबीच
शत्रुकृतमहाउतपातलखि नेकऊनलालभयेनैनरोषरुख
ते। बाबूरघुराजसिंहपुत्रकेबिवाहऊमें हँस्योनठठायइंद्र
ऐसेबड़ेसुखते। विश्वनाथविश्वनाथसांचेअहैंविश्वनाथ
भारीपेटपीरमैंनआहिकढ्योमुखते १२ परगनभाजते
नपरगनभाजतेनपरगनभाजते सुपरजनवानके। रथ
रणछोड़तेअरथरणछोड़तेउरथरणछोड़ते बिरथरणवान
के। इन्द्रयुद्धबुद्धक्रुद्धबीरजबहांकदेत बांधवबघेलविश्व
नाथबलवानके । नैननीरधारतेसुनैननीरधारतेननैन
नीरधारतेसुनैननीरवानके १३ गीतनकथानमाहँइन्द्र
कवितानमाहँ पूरणजहानमाहँजासुगुणगाथहैं। हाजिर
हमेशगुरुबुद्धगुरुबुद्धकबिशूररहैं प्रीतिसरस्वती पर
सिद्धिनिद्धिहाथहैं । दारिदकरतदूरिदीननकोदेतसुख
भूतियुतसोहैंगातभूतगणसाथहैं । शोभतहैंमालमाथ
नाथहैंअनाथनको देवविश्वनाथनरदेवविश्वनाथहैं १४
चोरठगचूहरचुगुलतचचण्डनपै खोजिखोजिचारघोओ
रकौन दण्डकरतो। बीरबरबांकुरोसुधीरऐसो औरकौन
वेणुबंशसैंगरानभूरिमदहरतो । दीनद्विजभिक्षुनकेघर
भरिधनभरिदारिदद्दुरन्तदीहदुख्यकौनदरतो । राजन

केराजमहाराजनकेशिरताज बांधवेशबिश्वनाथ जोनज
न्मधरतो १५ मेटिकलिकालकीकुचालुचालुभूतलमेंरी
तिसत्ययुगकीप्रचारकौनकरतो। रामपदपङ्कजमलिन्द
श्रीकबीरजूकी गूढ़कबिताकोअर्थकौनबिसतरतो। भा
षासंसकृतहूकेरामयशुग्रन्थरचिभूरिभवसिन्धुतेको जीव
नउबरतो। राजनकेराजमहाराजनकेशिरताज बांधवेश
बिश्वनाथजोनजन्मधरतो १६ ॥ अथमरसियाकबित्त ॥
बापीबागतालकूपसदाब्रतआदिसब कीन्हेपन्थपन्थनम
पंथिनकेकामहीं। जेतेधर्म्मकर्म्मदानइन्द्रमुनिगानकिये
तेतेसबकीन्हेदीन्हेदीननकेग्रामहीं। ऊनबिंशशतगेरा
कार्तिकअसितपक्ष सातैशुक्रबारदिनचढ़ेडेढ़यामहीं। म
हाराजबांधवेशबीरधीरबिश्वनाथ रामरामरटतपधार्‍यो
रामधामहीं १७ दाताभयोप्रथमदधीचपुहुमीकेबीच
ताकेपीछेबलितीन्योलोकदीन्हेदानहै। भूपरघुभयेपुनि
प्रथितपरशुरामइन्द्ररामचन्द्रदानजानतजहानहैं। कर
णऔबिक्रमनरेशकोहमेशयश रोजरोजभोजजूकीमौज
कोवखानहैं। बांधवेशबिश्वनाथरहेअबतिनहूंकोसुन्यो
हायआजुरामधामकोपयानहै १८ परमकरालकलि
कालमेंभणतइन्द्र कीन्हीसत्ययुगरीतिचारिऊबरणमैं ॥
जैसीकछूकरणीकरीहैधरणीकेबीच वैसीसुनीबलिमैंन
बिक्रमकरणमैं। सोईभूपबांधवेशबलीबीरबिश्वनाथ
जादिनपधार्‍योरामचन्द्रकेचरणमैं। तादिनसकलराज
काजप्रजाकोशाकियो सहितबिबेकरघुराजकीशरणमैं
१९ परमपवित्रतनकरिकैअनन्दमन ऊरधतिलककरि
कंठीराखीग्रीमामैं। फौजराजिकोशसौंपिसूनुरघुराजसिं

हैदयादृष्टिहेरिजनदीरघलघीमामैं । लाखनकेदानदैदै
दीननकैअभिलाख पूजिइन्द्रमनराखिधरमकीसीमामैं।
काशीप्रागराजछोंड़िबांधवनाथविश्वनाथ रामके भरोसे
तनत्यागकस्योरीमामैं २० भाज्योआजुधीरजुमही के
महाराजनकोआजुद्विजराजनकोसुखसाजजरिगो।इन्द्र
कहैदीननकोपण्डितप्रवीननको गुणअंगहीननकोभूरि
भोगहरिगो । तरुराजगिरिगयोआजुकबिराजनकोजा
गरागजीविनकेभागगाजपरिगो । नाथनाथनरनाथबां
धवनाथविश्वनाथ सीतानाथनामसाथआजकूचकरिगो
२१ बिक्रममहीपवारौंजाकेबलबिक्रममैं मोजनमैंवारिय
तुभोजअवनीपको। सानमेंशचीपबरदानमैंसतीपजूको
रूपकीबखानतामेंवारियेरतीपको । भणतकबिन्द्रऐसो
बांधवेशबिश्वनाथ जादिनकियोतैंकूचरामकेसमीपको।
तादिनदिलीपसोंमहीपरघुराजासिंह होतेजोनबुझिजा
तोदीपजम्बूद्वीपको २२ आलसीनआयसुकोपारसपघि
लिगयोदीनदुखीमीननकोसागरसिरायगो।टूटिगोकल
पतरुकोबिदकबिन्दनको सन्तनचकोरनिकोचन्द्रमाहि
रायगो । अस्तभोदिनेशइन्द्रकहैकबिकंजनकोयाचकप
पीहनकोबारिदबिलायगो । नष्टभयोज्ञानदीपहायमहा
ज्ञानिनको भूपबिश्वनाथआजुभूमिकोबिहायगो २३
ऊनबिंशशतगेरातौलउयामसातैपाय रामलोकसजिस
बैतीयसीयसाथकी। कढ़ीपुरद्वारलैलैहाटककीघंटीसाथ
भणतकबिन्द्रजेवैभरीगंगपाथकी । दधिदूबअक्षतकुसु
मदीपथारहाथ गावैंकीर्तिबांधवेशजूकेगुणगाथकी ।
मंगलबधाईधुनिधाईतीन्योलोकछाई आईआईकैरही

अवाईविश्वनाथकी २४ ॥ इति ॥ सीतारामअनुज
समेतराधेघनश्याम भिक्षुकअचारजकेधामइन्द्रपेखेहैं।
चामीकरहीरामणिमोतिनकेआभरण बसनजड़ाऊअंग
अंगनिविशेखेहैं। बांधवनरेशदेशग्रामधामरक्षकारदेख
तबनतजनुकामअवरेखेहैं। झांकीपंचरूपकीअनूपछबि
छलकति धन्यजिनदेखतजिदेखिहैंजेदेखे हैं २५ बांधे
चारुचामीकरपन्ननजटितपाग हीरामणिमोतिनकलंगी
तापेकथेहैं। औरैंअंगअंगनिमेंभूषणवसनवेशभालपै
तिलकमध्यलालश्वेतदये हैं। मध्यचतुरंगिनीमेंमत्तगज
राजपृष्ठ हाटकघटितहौदतापैइन्द्रठये हैं। स्वामीजीके
दरशउछाहभरेयुवराज आजुरघुराजसिंहऔरैछबिछये हैं
२६ चांदीचारुचामीकरदण्डपाणिचोपदारचोपसों च
लतआगेबाजिछरकतजात। मन्दाकिनीतीरगजमण्ड
लीमेंगजराजऊपरसवारशुभअंगफरकतजात। पूरो
उरअन्तरतेउमँगिउमँगिसुख आंशुनकेब्याजअनुराग
ढरकतजात। स्वामीजीकेदरशउछाहबढ़ेरघुराज देखौ
देखौआजुहेमहौदादरकतजात २७ आगेशोरघोरचो
पदारनअपारपीछेप्यादेतोड़दारेठोनिआवैंमृगराजकी।
फेरिरंगरंगकेतुरंगअसवारसोहैं जिनकीझपेटपरपक्षि
परबाजकी। भारीजरतारीझूलहौदनिसमारीफेरि का
रीमतवारीराजि राजैगजराजकी। सेंगरकेजंगहेतबीर
रंगरंगीआवै इन्द्रअसवारीयुवराजरघुराजकी २८ ॥
सवैया॥ पाइगयेसजाआलीगंगेउकेभाजिगईअनीभोजी
कढ़ीकी। देखिकैटेंकशिरीरघुराजकाटेंकिसकेनगढ़ीहूम
ढ़ीकी। जाइगहेटिकुरीकीगढ़ी सोभईगढ़ईगईआशव

ढ़ीकी। इन्द्रकहै किमिटारीटरै अदशाउनईहैनईहूगढ़ी की २६ ॥ कवित्त ॥ बीरबरयुवराजबाबूरघुराजसिंहदानि नकेशिरताज आजभूमि भावतो। हाटकरतनमयभूषण बसनवेश बाजिगजदेतमन बितरनलावतो। धामग्राम अवनि अराम आठयामदेइ निगुणीगुणीनइन्द्र धनद बनावतो। होतेजोनमन्दिरगरीबसुरवृन्दनकेफेरिमेरु क्षणकमें भिक्षुनलुटावतो ३० ॥ सवैया ॥ श्रीयुवराज बलीरघुराजसों दानीनदूसरोधर्म्मकोसेतुहै। शत्रुनके शिरशंकरकोबकसैं रणमेंकठुलानिकेहेतुहै। रुण्डबताय शिवागणको हँसिदेततिन्हें सुरलोकनिकेतुहै। बारह माससजेवरबारण चौबिसमासकबीनकोदेतुहै ३१ ॥ कबित्त ॥ परमप्रतापनवोखण्डमेंअमापभस्यो सुयशभरि तसबभुवनअपारासों। हीरामणिमोतिनकीझालरैंगयं दसजे बांधवेशबकसतरैंनिदिनसारासों। सीमादेखिअ चलमहीमासबकालएक इन्द्रकबिहीमाउपमानहेरिहारा सों। तरणिभेतारापतितारापतिभयोतारातारामयेतो यकन्नतोयनिधितारासों ३२ ढरकिढरकिजाति जोरत नजरिजामेंचारोंओर दौरतहैं प्रभापुंजछबिको। हाटकर तनघनजालनिजटितवेश जगमगहोतजनुप्रतिबिम्बर बिको। देखेहैंनतैसोकहूंदेखेतेनदेखिहैंगेभारीभारीभूपभूत वर्त्तमानभबिको। बीरबलीयुवराजरघुराजसिंहरीझिइंद्र कैसोशिरोपावदीन्ह्योंइन्द्रकबिको ३३ ॥ दोहा ॥ चन्द्र दिलीरानाक्षितिज गहरबुद्धगुरुकुम्भ। हाड़ासितअँग- रेजसनिरबिबांधवपतितुम्भ १ ॥ कवित्त ॥ छोंड़िनवख एडमांहिमण्डलकेजनमुख बसीयाश्रृंगारछटाकोईकहैस

तिहैं । जात्योहरकामताकीकान्तियहकोईकहैघूमिसब
लोकअवथिरदरशातिहै । डाढ़देखिरावरीअनूपरघुराज
सिंहइन्द्रमनमद्धिऐसीउक्तिबिलसतिहै । अच्छयमुखा
रविन्दपायचारोंओरघेरि पुरनारिदृष्टिअलिपंगतिब
सतिहै ३४ सोहैहिमिगिरिपरशम्भुकैलासजिमिशम्भु
कैलासपरराजैवृषसेतुहै । ज्योंहीवृषसेतुपरसोहैवृषके
तुइन्द्रवृषकेतुशीशगंगधारकोनिकेतुहै। गंगधारबीचजि
मिश्वेतकञ्जपुञ्जसोहैकंजपुंजमैंज्योंहंसबंशछबिदेतुहै ।
विश्वनाथकितिकारपून्योंज्योन्हमैंत्योंराजैरघुराजसुयश
कपासुकैसोखेतुहै ३५ आगेशोरजोरचोपदारनअपार
पीछेप्यादेतोड़दारेठौंनिआवैंमृगराजकी । इन्द्ररङ्गरङ्ग
केतुरंगअसवारसोहैंजिनकीझपेटबैरिपक्षिपरबाजकी ।
तैसेजरतारीझूलहौदनिसमारीवेश भारीमदवारीराजि
राजैगजराजकी । अंगअंगमोदरंगरंगैविश्वनाथभूपदे
खिचतुरंगिनीकुवँररघुराजकी ३६ महाराजविश्वनाथ
सूनुयुवराजरघुराजासिंहआंकुरेकीबंकभौंहपरितई । धूरि
धारधुन्धकारमुद्रितभेमारतण्ड मारगकीनदीसूखिगज
मदभरिगई । अरिनकीशेखीबनीखेतीअनीकिनीपुरी
गढ़ीजसमण्डलीसुतोपैतेगैगरिमई । सरिछरिचरिगई
ढरिगईजरिगई गरिहरिदरिगईइन्द्रकहैझरिगई ३७
फूलेरंगरंगकेप्रसूनबरबीरसोहैं डोलैंपौनतीनिनिनीतिमंत्र
जयकाजके । अंकुररसालसेलवृन्दइन्द्रदरसातराजैन
वपल्लवपताकेसुखसाजके । बोलैंहयकोकिलअनन्तआ
शअन्तनिलौं मातेमदगुंजैंभौंरगंजगजराजके । मानि
नीसुमानभईनईगढ़ीतोरिबेको डेरापरेबागनबसन्तरघु

राजके ३८ बोजमृगराजसमरूपऋतुराजमित्र दीपति
दराजसुखसम्पतिको साजभो। सन्तन समाजकोनिवा
जबांधवगढ़भ्राज अरिगिरिराजनकोइन्द्रकैसोगाजभो।
रसरामनिधिधरामाघबदीनवमीक दीन द्विजराजनकोप
रमअकाजभो। राजनकोराज महाराजनको शिरताज
लाजकोजहाजरघुराजरघुराजभो ३९ ॥ दोहा ॥ वनइस
सैछत्तीसमें माघबदीनवमीक। बांधवपति रघुराजहरि
गेव्रजराजनजीक ४० ॥ कबित्त ॥ जादिनमहानयशभरिकै
जहानइन्द्र रघुराजगये घरराधिका रंगीलाके। सबलेत
म्बूरेबजेतामसकेतम्बूतर तादिनसारंगीत्यों अज्ञानगर
बीलाके ॥ गरबअगारमध्यगुणीगणगायउठेबाजिरहेबेणु
बीणामोहकेकबीलाके। डौंडीफिरीडरकेनगरमांझगैरगैर
डेराडेराडंकभेकलंककड़कीलाके ४१ आजुघनश्यामगई
कालिंदीनिकुंजजहां चढ़ीतरुपुंजलतापांतिरसपागिनी।
बोलतचकोरमोरकोकिलनशोरडोलें मृगनकेसंगमृगीर
तिअनुरागिनी। त्रिविधबतासबहै इन्द्रसुमरासिनकी
रहीबनिसेजबिरहीनदिलदागिनी। तहांलख्योकौतुकयु
गलकंजलीलेचन्द्र चन्द्रैकौरकीन्हेराहुताकेपीछेनागिनी
४२ बांधतकुमुदगणसाधतजलजमालराधतउदोतनिज
भाषतसुरेशहै। घालकतिमिरशत्रुशालकजनकदुःखपा
लकअमानतेजचरअचरेशहै। बानरमेंराजतसुबारप्राति
छाजतअरुणमुखभ्राजतसुदासअजरेशहै। मंगलखगेश
गुरुबुद्धकबिपासरहै माधवदिनेशईशबांधवनरेशहै ४३
बलपतिभाजतेअबलपतिभाजते सबलबलभाजतेसब
लबखछखण्डकै। सांगशक्तिशूलअसिचरमधनुषछांड़िकिं

चुककवचइन्द्रकेचिनतेखण्डिके। बांधवनरेशविश्वनाथ
जूकीहांकसुनिवीरवेषछांड़िशत्रुनारिवेशमण्डिके। चण्ड
मुण्डचण्डमुण्डखण्डिनीनेवारिये सुबारबारसाससास
टेरतहैचण्डिके ४४॥ इतिश्रीकवित्त ॥ दोहाश्रौकवित्तनकी
जाफतिगोरैयाभई आफतिसीभरिगईसबहीकेउरमैं। ना
नापृथिपालकोदैगारीसमझ्यालसब रोईफौजसोईनहीं
भरीभूंखजुरमैं। घुंघुचीकीकहैकौनजाकोअहैकारोमुखबा
तनहींकेखायेजहांखासेखाभेखुरमैं। जैसादेखातेसैंसबक
ह्योफुरफुरइन्द्ररामपुरकैसोसुखपायोरामपुरमैं १॥ अथहनु-
मदष्टकप्रारम्भःकवित्त ॥ सूरसुतहेतरामहाथसोंबँधायोबालि
रामकाजलागित्योंसमुद्रलांघिडारयोहै। बाटिकाउजारि
लक्षराक्षससँहारिबीर अक्षसेविपक्षमारिलंकगढ़जारयो
है। कुम्भकर्णरावणादियोधनकोमदझारिकालनेमैफारि
अहिरावणकोमारयो है। स्वामिनकेकाममेंबुढ़ान्योहनू
मानइंद्रदासनकेत्रासतेकबौनपांवधारयो है १ धर्मवंतराम
चन्द्रकोछिपायबधिकसो बीरधीरबानरेशबालिकोबिगा
रयोहै। एतेबड़ेमहाराजरावणकोघरघाल्यो बड़ेबड़ेशैल
नतेसिन्धुपरिडारयोहै। पारथकेध्वजबैठिइन्द्रमहाभारत
मैं कौरवादिकोटिननरेशनसँहारयोहै। सबकोबिगारबोई
सीख्योहनुमानतुम कैधौंकहूंकाहूदुखीदीनकोसुधारयोहै
२ देवतापितरतपवृद्धऋषिसिद्धनसोंयाचिबोईउत्तमपर
मश्रुतिसूतहैं। बड़ेबड़ेज्ञानवन्तबुधजनबरणत धर्म्मव
न्तराजनकीयाचनाअछूतहै। धनिनसों याचनासमान
सबगावतहैं इन्द्रछोटेनरनसोंयाचनाअपूतहै। कामपरे
चेतनसों याचिबोउचितबात पौनपूतयाचैजौन सोतोभे

रोभूतहै ३ रामभेनरावणनराकसनरघुकुलबानरतरिक्ष
नजनकसुताजईहैं। लाँघ्योसिन्धुबांध्योकहांद्रोणाचल
उखोकब लङ्काजरीनैननिसोंकौनेदेखिलईहै। बालमीकि
झूठइन्द्रजालसोंबिरचिदये ताहिदेखिरावरेकीमतिमद
मईहै। एहोहनूमानबिनइन्द्रकोदरदहरेमेरेजानसबैय
हकथाझूठिभईहै ४ वेदऔ पुराणधर्म्मशास्त्रसंहितादि
इन्द्र इतिहासग्रन्थनकोपढ़िबोईचारु है। अस्त्रशस्त्रजा
निबेमैंसंगरसुयशहोत मन्त्रतन्त्रयन्त्रजानेपुण्यकोअगा
रुहै। रागतालजानेराजद्वारनमेंमिलैधनकबिताबनायेग
तिआनँदअपारुहै। गर्जवन्तबावरोकहावतसोसत्यबा
तपौनपूतयाचिबेमेंकहोकौनसारुहै ५ मेघनादरावणये
बीरनकेतीरनके घायनमेंकालपायकैधौंबढ़िपीरगे। ती
न्योलोकदीननकेदुःखकीहरणवारी कैधौंवहबानिबूढ़ि
बारिधिकेनीरगे। कैधौंकलिकालकेकरमकलूलागिगये
इन्द्रजनपालिबेकीकैधौंभूलिभीरगे। आरतपुकारतनि
हारत न मेरेजान लूटिमहाबीरतातिहारीमहाबीरगै ६
कैधौंकामरूकीकामिनीनकेअधीनभये कैधौंकाहूधनिन
के संगबनिसीरगे। भयेकाहूदीपकेउजीरपादशाहकैधौं
तातेराजकाजहीभैंमतिङ्केअमीरगे। इन्द्रकहैगतिथकी
कैधौंपगनैननकी कैधौंभयेबधिरकैदयाकेअधीरगे। आ
रतपुकारतनिहारतनमेरेजान लूटिमहाबीरतातिहारी
महावीरगै ७ साहिबमुसाहिबदिवानकामकाजीजितेमु
नसीमुसद्दीसबआपनेहीसूतके। देख्योकैविचारजयश
हरमझायपारपूतहैनकोईरजपूतमजबूतके। देवतादनु
जसबमनुजसमानभये कामुयानकरिबेकोकाहूप्रेतभूत

के। त्यागिसुखहौसअफसोससोंसहितअब परो है पुरन्दरभरोसेपौनपूतके ८॥ दोहा ॥ अष्टकयहहनुमानको कियोइन्द्रनिजहेत । पढ़ैसुनैजोयाहिनित ताहिसबै सिधिदेत १ ऋषिनिभग्रहमहिसालमैं माघशुक्लदशमीक । मङ्गलकोअष्टकभयो सबमंगलकीलीक २॥ इति इन्द्रकबिकृतहनुमदष्टकंसम्पूर्णम् ॥ अथ सत्यनारायणाष्टकप्रारम्भः ॥ सवैया ॥ बाँधवभूपसिरीविश्वनाथकेकारजकारणजयपुरआयन । तालगिदौरतहैंनितही निशिबासरचामरह्योनहिंपायन । सोवतहैंकहूंसोवतनाहिं कहूंकछुखाय कहूंकछुखायन ।· रावरआशगयेदशमास कहांबिलम्योप्रभुसत्यनरायन १ सामसुबूंअधरातमध्यानहूं राउरध्यानधरैं चितचायन । बैठतहूउठतौकविइन्द्ररहैमनमोररम्योतुवपायन। सोवतजागतहूसपनेतुम्हरोयशछोंड़िनदूसरोगायन।आशकियेदशमासगयेलुकिबैठेकहांप्रभुसत्यनरायन २ टेरतहीपलएकबिलंबकियोंनहिंद्रौपदीचीरबढ़ायन। त्योंगजराजउबारनकोकछुबारनलागिगयेचलिपायन। खम्भबिदारिलियेप्रहलादहि औरगयोबहुठांयनठांयन। मेरेहीबेरअसत्यभयेप्रकटौकिनसाहिबसत्यनरायन ३ नेमनप्रेमनधीरजधर्मनहैहमरेकछुपाठपरायन। दानदयानहिंज्ञानकछूगुरुलोगनकोसतसंगनपायन। नाजपनातपसंयमपूजनकीननधामनतीरथन्हायन।रावरीआशगयेदशमासकहांबिलम्योप्रभुसत्यनरायन ४ सोवतहौकिधौंक्षीरसमुद्रमैंसिंधुसुतासँगमैंचितचायन । चक्रकीधारकिबक्रभईकिगदागईटूटिथकेकिधौंपायन। नैननिहीनभयेप्रभुकै किधौंकानन

मैंकहीबातसुनायन। कारणकौनकहांअटक्योप्रकटौकि
नसाहबसत्यनरायन ५ श्रीमिथिलापतिसंशयनाशनहे
तुपिनाकप्रचण्डचढ़ायन। बानरराजकोकाजकस्योनृप
कीन्ह्योबिभीषणसूधेसुभायन। मेरेहीबेरमैंकारणकौनजो
शोचतबीतिगयोयकहायन। हौतुमकाहुपैभूठनरायन
काहूपैहौप्रभुसत्यनरायन ६ दीनदयालउमापतिको
लिआपैहलाहलपानकरायन। मोहनीरूपकैदानवमोहि
बलीबलिबांधिपतालपठायन। औरकेयुद्धमैंकौनियानी
ति जरासुतकोबधआपैबतायन। दासनकोनछल्योअब
लौंअबलाग्योछलैकहासत्यनरायन ७ षोड़शसाहसना
रिनकेलयेजायसहेमुरुअत्रकेघायन। जामवतीहितरिच्छ
पतीकेसह्योबहुमुष्टिकथापरपायन। कुण्डिननाथसुताके
लयेप्रभुकेतेकियेतुमदायउपायन। मेरेहीबेरमैंदेरकहार
सिकेशसुनौकिनसत्यनरायन ८ अतिदीनदुखीनगरीब
नकोबिधिजानियोखासीरसायनकी। जिनकेपरिवारनपू
तसपूततिन्हैंयाजमातिहैभामनकी। जिनकेनहींनांथन
हाथकछूतिनकोततिकामदगायनकी। सबकेमनभायबि
दायनिहैबिनतीयहसत्यनरायनकी ९॥ दोहा॥ वेदब्योमख
गशीतकरसालअषाढ़सुमास। कृष्णपक्षतिथिसूरशशि
अष्टककियोप्रकास १०॥ इन्द्रकविकृतसत्यनारायणाष्टकंसम्पूर्णम्॥
कवित्त॥ हीरामणिमोतिनकेभरिबेभंडारबरेकरततसीलकै
धौंमतिभैजिलामई। कैधौंहथियारनहजारनसँभारनमें
कोटकेसुधारनमैंह्वैरहीकिलामई। कैधौंइलैमिलैकरिपढ़ौ
बेदबिलैवसीकैधौंफलफूलफबिबनीबागादिलामई। आ
रतकी आरतिबिदारनकोवानोवारि कैधौंइन्द्रशिलामई

साँचेहूशिलामई १ कुधरकेकन्दरानिकेहरीहिरान्योकैपि रान्योकटिपौरुषसिरान्योकैजुवैहई। कैधौंसरीशक्तिकैत्रि शूलतृणतूलभयो करमकरालकेकृपाणपाणितैगई। इन्द्र जनरंजनकोविरदबिसार्योकैधौं कैधौंसंगसिद्धनसमाधि साधिकैलई। कैधौंवेशबारुणीकेनींकेवशबर्सीकैधौं येरी मातुशिलामयीसाँगिहूशिलैमई २ गंगाजूकीसमकर्म नाशहिबखानैजौनपारथसोंधनुधारीभणैऔरनरनै। जौ नलघुबानरनिकहैबायुनन्दनसों कलिकालदानिनबखा नैसमकरनै। इन्द्रकरतारसोंबयानकरैकुम्भकार शेषसों सरपलघुखगसोंसुपरनै। जौनजयशाहजूकीजोरकहै नरनाहतीनजयपुरसोंशाहरऔरबरनै ३ परमप्रभानमैं सुभानसोंजहानबीच मानमहाराजसों कृपाणबिकरार हौ। बड़ेजयशाहसोंपनाहदोऊदीननके रामअभिराम ज्ञानगुणकेअगारहौ। धरमधुरंधर सवाईजयसिंहसम इन्द्रमाधवेशासमभागिकेभँडारहौ। मापमैंप्रतापसों सवाईराजारामतुम जाहिरजगतजगतेशसोंउदारहौ ४ पक्षिनसमाजपरगाजसोंपरतटूटि झपटतेदेतचितला जमृगराजके। धीरहंसराजसेसुबीरखगराजसम नखन कीपांतिमैंनृसिंहशिरताजके। लक्षलक्षगुणनिमैंदक्षपर तक्षछाजे चंचुअक्षबक्षपक्षपुच्छस्वच्छसाजके। बलके दराजजलथलकेकरतकाज ऐसेबाजराजराजैंरामम महा राजके ५ बिप्रगुरुग्वालऔपुरन्दरकीमारफति भईसब सिद्धिबातैंसादीकीकरारमैं। जेष्ठसुदीअष्टमीबरातच लीजयपुरते सेनापतीरावलस्योसिंहकीअधारमैं। अ म्बरअवनिनिधिअवनिअषाढ़सुदी छठितीनिथामरा

तिबीतेभौमवारमैं। बिश्वनाथजूकीसुतादोइब्याह्यो राम
सिंह रीमैजायछदिनमैं डाककी बहारमैं ६ बीरजयसिंह
अधखलेकामछोड़िगये चौथीपुस्तिजयसिंहसवाई निर
मयेहैं। शहरबसाये अरुहयमेधयज्ञठाये अरिनहटाये
बहुदेशदाबिलये हैं। इनहूतेबनेनाहिं कामतेसमारिबे
को भावीछिठेभूपपरइन्द्रछोड़िगये हैं। रामसिंहबाकी का
मरहे तिन्हैंकरिबेको नामरूपबदलिकै मांधोसिंहभये
हैं ७ डहरडहरसबशहरनहरफिरै घरघर वैसैंगैसजोन्ह
सीजगतिहै। वेदध्वनिसुनीजातिवैसैसबमंदिरन देवता
गुरुनमैंनरनकीभग्तिहैं। महलमहलमाधि चहलपहल
वैसे धरमकरममाहिं बुद्धि न डगतिहैं। दानीमृदुबानीइ
न्द्रमानी रामज्ञानी बिना रानीराजधानी यहकानीसील
गतिहै ८ मानसिंहवंशी इन्द्रतीसरो जयसिंहसुत राम
चन्द्रकीसमान लोकमैंविख्यातभो। दानवन्तमानवन्त
ज्ञानवन्तध्यानवन्त सानवन्त आनवन्त भानवन्तगात
भो। मुनिरामनिधिभूमि भादौंसुदीभूततिथि महांनि
शिएकबजेबड़ोउतपातभो। काम अभिरामरामसिंहरा
मरांमकहि रामरूपकैकैरामधाममैं समातभो ९ लाग्यो
कलिकालकछूहालन बखानोजाय साल दरसाल चालु
लोगनकीवही है। धरमकरमकरिछोड़त शरममाहिं नर
मगरमहोतेदेरकछुनहीं हैं। रह्योन विचारऔअचार को
सचारकहूं जानीनहींजाति कौनिभूंठिकौनिसही है। रू
पवती तियातेकुरूपनतेप्रीतिकरैं भूपनकीबैठक बेकूपन
मेंरही है १० प्रथमप्रकटभयो रामजमदग्निजूकेहयहय
सँहारिविंशकैरुलियोवापको। दूजोरामअवधेशचापतो

ख्योशंकरको रावणको मारिमेट्योभुवनसतापको। तीजो यदुबंशवसुदेवसुतभयोराम इन्द्रसुखधामश्रामश्रंश से ससापको। जगकोअरामरूपकामचौथोलख्योराम जयपुरजनेशपरपोतापरतापको ११॥ दोहा ॥ वनइससे सें तीसमें भादोंसुदिसितभूत ॥ महानिशापीछे भये राम भूपपुरहूत १२ ॥ सवैया ॥ दीनदयालजहांनृपरामगयेस हुलासरमापतिओके। पापउठ्योकरपोटनठेकि पखण्ड तहींभुजदण्डनठोके। भूंठिझमंकिझमंकिझझांनिकलं ककठ्योगहिलंकअलोके। कोहचल्यो करताल बजावत भांड़से नाचिउठे कलिथोके १३ साधिसमाधि जहीनृ पराम गयेयदुबंशवतंसकेधामें। तादिनदादरदेखकेद्वार दरिद्रकेदीरघदीसैंदमामें। डेरनिडेरनिदम्भकेडंक डफौ डमरूडरकेश्रंटरामें। किन्नरीकोहकेकोटनिमें करनालेंब जीकलिकेकटरामें १४॥ कबित्त ॥ चहेकोईसुखमानेचहैमाने महादुखहमतौविचारिकैपुकारिसांचीकहिहैं। गंगचलैप श्चिमकोऊगैमारतण्ड अरुसुरनकेघरलैसुमेरु बरुढहि हैं। लाखनयतनकरौचहौजीवौचहौमरौहोनीलिखीबिधि कीब्रहाईनहींब्रहिहैं। कायमनकरिइन्हैंमरतीबखतरास कायमकियेतौगोदकायमहिरहिहैं १५ ॥ जोधपुरभूपकेकबित्त ॥ सादेअंगभूषण बसनअंगरागसादे सादेपगत्राणराजै डीठिसादीअतिकी। सादेअसनानध्यानदानखानपानइ न्द्रसादेगुणवानभक्तिसोहैसादीगतिकी। सादेश्यामके शशीशशेखरमुकुटसादो सादीमुसकानिबानीसादीमूरि सतिकी। सादेअस्त्रशस्त्रकरसोहैसबभांतिसादीचालसो हैमहाराजमारूगढ़पतिकी १ शोभितसुमनश्वेतअरुण

अनेकभांति फुलित कमल जल अमल निहारी है। बेली बरबास वारी भवर बिलासवारी नूतन प्रकाशवारीपत्रपुं जवारीहै। राजत रसाल पिकबचन बखानै इन्द्र साजेरस साज सुख बिपिन बिहारी है। राजै ऋतुराज किधौं यशव न्तनरनाह चातुरपरमयहपातुरतिहारी है २ सूबाशाहजा दे सरदार और उमराव अमितवजीर इन्द्रदेश देशकेनरि न्द। बांके टेढ़े पटेबाज दीह दीह मल्लराज धनिन समाज जिनद्वारन झुकै करिन्द। वैद्य वेदपाठीविप्रगीत वाद्यनृत्य कार ज्योतिषीपुराणवारेकोविदजितेकविन्द। मारूकन्तय शवन्तयशवन्तरावरेको रोजरोजहेरतरहतहै मुखारबिन्द ३ बखतबिलंदश्रीतखतसिंहजूको नन्दआनँदकोकन्दनि जदेशघरघरको। इंद्रयशवंतयशवंतसिंहदानदैदैदूरिकि यो अभिमानकामतरुवरको। लाजकोजहाजसबराजन कोशिरताजजगतमेंआजजाकेदूसरोनसरको। दीनदया उरधरअरिनकोदुरधरगढ़जोधपुरधरराजामुरधरको ४ लोहाचन्दहाँसहीको प्रलयपौनआगिलैकै कमठ निहाय मेरुशृंगगाडअरीहै। मारनकेमंत्रनकीमूठिसीलगाईमूठि जौंहरवशीकरनयंत्रनतेजरीहै। हलाहलजलमेंबुझाईपू पझलाझल भासमानसान में दुधारधारधरी है। इन्द्रयश वंतयशवंततेरीतरवार दण्डके हथौराकालकारीगरकरी है ५ बीतिगयोनीतिजल सुजनजलजसूखे मुकतकवि न्दजनयूहउजहतहैं। शोक कीच बीचफँसेदीनमहामीन नकोबाँकेबकगोरेगीधगिलवेगहतहैं। कुटिलकलंकीक्रूर काककंकबंककुल केलिकरिन्नोलकटुकर्नकोकहतहैं। राम मानसरकेनिवासीइन्द्रराजहंस जयचंद्रवंश यश सागर

चहतहैं ६ छोड़िगयेहीरामणिमोतीकोईकोईभूप बावड़ी
तलावबंधकूपभरिगयेहैं। कोईजगजनन को इन्द्रकहैंबंच
नकै कंचनकोसंचिकै खजानेधरिगयेहैं। कोईनिजबंश
केधरमऔकरमतजि चरमकोचूमिचूमिसरिमरिगयेहैं।
बखतबिलंदश्रीतखतसिंहमारूभूप यशऔप्रतापकोकि
शोरगरिगयेहैं ७ शैलसुतासंगजौलौंऐलफैलबैलयुतशै
लसेतशृङ्गपरशैलकोधनीरहै। जौलौंमहिमण्डलीअखंड
नवोखण्डलिये शेषफनामण्डलीपैअण्डसीवनीरहै।
जौलगिगणेशऔदिनेशत्योंबनेशरहै सम्पतिधनेशजूके
जौलगिघनीरहै। तौलौंइन्द्रयशवन्तबन्धुश्रीकिशोरसिं
हऐसईकिशोरताईरावरीबनीरहै ८ बलिहरिचन्द्रराम
चन्द्रऔपरशुरामकरणदधीचिदानपोथिनमेंपाइये। बिक्र
मकोदानअरुमौजभोजभूपतिकी बीरबरजूकीकीर्तिपैये
कहूंठाइये। खींचीभगवन्तजयचन्दमानसिंहजूकीकीर
तिकोखोजिखोजिकहांलौंबनाइये। भूपयशवन्तसुनौसु
यशअनन्तहेतु फेरिनईलेखलाख देनकीलगाइये ९
गावतसकलमहिमण्डलमें कविजनरावरोसुयशइन्द्रएक
तौहमीनहीं। शीलहीकेअयननयनहौमयनरूप बयंनसु
नतकछुअसलअमीनहीं। अरिनकोतापकप्रतापयशव
न्तसिंह भूपयशवन्तऔरतुमसोंजमीनहीं। करतेअरि
क्रमजेभरतेपरिक्रमहैं बिक्रमत्रिबिक्रमतेबिक्रमकमीनहीं
१० रामचन्द्रमहाराजदीनोबरदानयाको रहैहरोघासस
दाकरभअपारहै। आछेसबजगततेबैलअरुगायहोय
होयतरबूजमीठोसुधारससारहै। मंकनमहतमुनिकरैअ
भिलाषजबबरसतमेघतबमीठीजलधारहै। मारमारवार

थालेबैरीतबवारमारैयातेयहदेशहीकोनाममारवारहै ११
क्षीरसोंहरततनपीरबातरोगिनकी फूलसोंकरतत्रबिपूज
नप्रकारकी। पत्रनकेछत्रकरिछायाकरैनरनकी क्षुधाहरैं
क्षणक्षणअजापरिवारकी। शाखैजरजारिहरिशीतकरैंभो
जननि फलसोंगिलिमगांदीभरैंसिरदारकी। खाकतेकर
तपाकपात्रसबधातुनके एहैंतरु आकंकेननाकमारवारकी
१२ द्विजनकोदानसनमानगुनमाननको आननमयंक
कीसमानतामैंजगतो। धामत्र्प्रौअरामग्रामरतनललाम
इन्द्र देतहीइनामजनजौनजौनमँगतो। डगडगजगमैं
विशालेधर्मशालेहोंते दियेजातेदीननकोपातेस्वर्णअग
तो। सजनजनेशजगत्यागिअवेभगतो न दयानन्ददुष्ट
दीहदोषजोनलगतो १ बाहैंअस्त्रसहितउछाहैंकुशबाहैं
इन्द्र बोलैबाहबाहैंयुद्धचाहैं केलगतमैं। शेषावतवंशकेन
लेखावतअरिनकोदरिनदेखावतनमारतभगतमैं। गंज
गजचलतहलतहैअचलखल सिंधुखलभलैतोपखानेके
दगतमैं। बिक्रमअजीतसमराजते अमीतसिंहखेतडीज
मीनजगैजेतडीजगतमैं १ बारूबारिबारिधिमैंदौरतदुगुन
इन्द्र दीहदेहमानोंदिगदेवनकोदूतैंहै। भूरिभारभरित
भुवनभारीभूधरहै पंथभयभानिबेकोभूतनाथभूतैंहै। शी
तअरुचण्डतापगनै मारतण्डकीनपक्षवानमानोंपरतक्ष
पौनपूतैंहै। देखानहींकरभपेशाबकहैमूतहीकोतिन्हैंभू
ठकरिबेकोबिपरीतमूतेहैं २ जौननहींकरिसकैकोईतौनक
रिबेको करभकोरूपधस्योमानोंपौनपूतेहैं। इन्द्रभारीभा
रधरे कोसकाटैसैकरन सूखेआखेकंटकनमुखदाबिसूतेहैं।
हाथंभरिजीभकाढ़िकाढ़िफिरिलीलिलेत कहैसबलोगया

तौकोईअवधूतैहै । छूतैनहीं शीतयाहिभूतैबना रहै सदा सीधैकरै मैथुनऔबिपरीतमूतैहै ३ पीलसमडील पायय तनोअशीलहोत बशकरिलेतनरजैसेछोटीहरनी । चल तनबैलगाड़ीघोड़ेऔजहाजजहांअरबकेभूड़सिन्धुतरब कोतरनी । कंटकसरबकरगरबहंरबजानै सरभसमानग तिकरभकीबरनी । गनंतनशीतधूपभूपसबबाहकोदौरनि अनूपयाकीषूपकाटैधरनी ४ ॥ श्रीगंगायमुनयोर्कवित्तं ॥ विधिके कमण्डलबिबरतेनिकसिगंग नागिनिसीजायघुसीबांबी जटाजूटकंत । मंत्रयंत्र करिकैनरेन्द्रकाढ़ीतहऊंतेभवअघ भेकभीरभषतभगीदिगंत । पंथनदनेदिनकोपयपूरपान करि पहुंचीकपिलथलआननकियेअनंत । कसमअस मकीहैधरमरसमयहै चढ़िहैखसमशीशभषिहैभसमअं त १ बारूकेकगारनगिरावोनितदेखिदेखि भाषैसब लोगगंगधारअटपटि है । थोरेपौनगौनतेगिरततरु तुच्छ मूल तिनकोबहायचलौदूनोजोरजटि है । कौनिहैकठोर तागरीबगिरिगिणमांहिंपायपयफटकारजातजौनफटि है । बहुतबखानैकहाजानिपरीरावरीको इन्द्रपापपुंजकोपहा रजबकटिहै २ दूनौगिरिदरीतेकढ़ीहैगौरश्यामतन दूनौ निजजननकीतीनौतापशमनी । इन्द्रदूनौनागिनीसीन दीनदपयपीतीसीतीजंतुसुखपटपूरबकोगमनी । अदभु तगुणभरीदूनौभवसिन्धुतरीदीनदीहदारुणदुखनकी है दमनी । यहैभेददेखियतुईशशीशचढ़ीएकु दूजीबामअंग बैठीह्वैकैहरिरमनी ३ बड़ेतपपरतौबिरंचिदयेपीछेशम्भु जटातेनिचोर्योबुंदबड़ीकृपाकैहिये । गंगाजीकोगरबवि लोकिइन्द्रजह्नुऋषिदिव्यजललोभपिये दयादृष्टिदैदि

ये। ऐसांपक्षआजुतककोईकहूंकियोनाहिं जैसेसबनदीन
दभगीरथकेलिये। थोरोजलदेखिहिमबिन्ध्यतेनिकसि
सबै धारकोबढ़ायकैउधारराखतैकिये ४ प्रथमतौपातकी
केकर्मपत्रफारिबेकोभांईधर्मराजहीकेकिथेजातिथानमें।
फेरिफोरिस्वरगकोताहिसुखसाथलिये सादर मिलाय दे
तिजायपिताभानमें। पीछेगऊलोकमाहिंकरिकैगुबिन्द
इन्द्र भोगकरैअटलसमानखानपानमैं। तीनिपुरबन्दि
नीत्रिपथगातरंगिनी कलिन्दगिरिनन्दिनीहै ठीकमेरेजा
नमैं ५ पायत्रिषमंगैकरिनंगैअंगअंगैकरि भूषितभुजंगै
गिरिशृंगैपैचढ़ावती। डमरूत्रिशूलहाथदैकैकरिभूतसा
थकंठमेलिमालमाथताकेमाथधावती। पातकीकीऐसी
दशाकरौक्योंनगंगेतुमबैलसङ्गरहीबेटीशैलकीकहावती।
चसमअसमकरि भसमलगायइन्द्र रसमयाकैसीफेरिख
समबनावती ६ वेदगिरिधारिबेकोमच्छअरुकच्छभये
दोऊदैत्यमारिबेकोकोलनरकेहरीभ। बलिछलिबेकोभये
बामनकुक्षत्रिनके रावणकोनाशकोऋषीश औ महीपती
भ.। कपिकंसदलिबेकोबलबासुदेवभयेदयाकोसमुद्रइ
न्द्रबुधअवतारईभ। होउगेकलंककलिकानदाबिबैठकहा
कहांलौंसिखाऊंकान्हमेरेमुखएकजीभ ७भारतबरषबीच
जेतीगिरिकन्यकाहैंतिनकेप्रभावकहौंऐसीकहामतिहै।को
ईजलअमलअगाधभारीबहिरही कोईखारीसूखिगईको
ईकटुअतिहै। पूरबपश्चिमकोईउतरदखिनबहै तिनमेंक
लिंदजाकीभागिबिलसतिहै। भाईयमराजइन्द्रजगत
कोदीपपिताचौदहभुवनपतिकान्हजाकोपतिहै ८ बाप
हीसेंबनेरहैंपापिनसुरापिनके सौंपिनसँतापिनप्रलापिन

कोमानेंहैं।गुरु नारिगामिनमेंनामीबनेकामिनमेंबामिनके
संगदिनयामिनकोभानेंहैं।द्विजनकेदानसनमानकोनज्ञा
नइन्द्र बन्धुबृन्दबधनकोबांधिराखेबानेहैं । जाहिरजहा
नमाहिंजागतोअयशतापै यमुनाकेजोरयमराजकोनजा
नेंहैं ६ विन्ध्यहिमसह्यऔमहेन्द्रागिरिशृंगनतेनदीनद
गिरैंजितेगनिसकैंहमना । कोएकएकनमें मिलिभिलि
गिलिगई कोईसिन्धुसंगमकोलहैकरिगमना । तार
तीहैं पापिनसुरापिनकोकोईकोई मारतेमेंहारतीनासारी
एकसमना । जिमींदारीजगतकीयमुनाकेजेबपरी जाके
जलयोगहीतेंजनजोहैजमना १० ॥ संकीर्णकवित्त ॥ औं
धीकरयोअमीघटकैधौंबारुणीको इन्द्रातिनकीजगतिज्यो
तिजगतमेंजूटीपरें। विधिकोकमण्डलकैफूटयोनभमण्ड
लमें गंगजलधारसोंअपारअनखूटीपरें। कामधेनुथनुकै
धौंकैधौंवहक्षीरधिहै यातेक्षितिछोरतकछीरछटाछूटीपरें।
चैतपून्योरातिमेंअखण्डचन्द्रमण्डलतेचारुचारयोओर
कैधौंचन्द्रिकाहीटूटीपरें १ ॥ प्रश्नोत्तर सवैया ॥ कावाजोरा-
जैअरब्बहिमें अरुकावातुरंगजोचक्रफिरै। कोवाहैबीज
बड़ेफलकोअरुकाहीकोरंगहैरंगाशिरै । कारेहैदीपजाआ
गेजुपैनहिंकाटेंवैजातेनचित्तथिरै । कानाहैंजाकोगनेंअ
सगुन्नाहिं कायाहैखोटीजोरोजैखिरै २ ॥ कवित्त ॥ तीनिलो-
कबलिदयेभूमिदयेजामदग्नि सरबसुहरिचन्ददयेब्या
सकेहेहैं। करणकीकरनीतौबरनीनजातइन्द्र विक्रमऔ
भोजदीनदारिदकोदहे हैं । बीरबरषटकोटिबांधवेशरघु
राज तुलादानकोटिनकेदयेद्विजलहे हैं। धूपदीपदानअ
बनावदानगिरदान अतरगुलाबपीकपानदानरहे हैं ३

जलतेजटितजिमीपिण्डलियेदेखोभैया बड़ेबड़ेबीरइन्द्र बड़ेगुणगाथके। देवतादनुजओमनुजलरिलरिमरे लर तमरतजातअजौंतकनाथके। कोईभरिवाथयाहिसाथमें नलेतगये छोड़िछोड़िगयेभागिभारीधनुभाथके। संगस हस्तहाथकेनगयोदशमाथकेनरामरघुनाथकेनश्यामयदु नाथके ४ दादूपंथीसांड़होत मरिपीछेभांड़ह्वैके रीसभ रोकीसहोतबड़े आंडखीसको। मरिकैसोनारचोरहोतब याकटकार पलदारहोतहैकरभबकसीसको। कोरीहोत मकरीकुँभारीकुम्भकारहोत कायथह्वैकागफिरपक्षीनी चेशीशको। बेलदारदरजीमरेतेमिलिमूसाहोत मूसाम रिहोतहैमुसाहिबमहीशको ५ ज्ञानकोअबासउरप्रेमको प्रकाशपूरो होतहैविनाशमदमायाजालजूटको। फूटिजा तमोहमाटखोभलाटलूटिजात टूकहोतहैपखंडदंडहूअ टूटको। फाटिफाटि पापकेकपाटबाराबाटहोत सबसुख ठाटहोतताकेसकेखूटको। कूटिजातकर्मकूटकालपाशटू- टिजात छूटिजातसंकट चितौतचित्रकूटको ६ ॥ स्वैया ॥ खाइकहूंदुसरेतिसरेदिन मांगेंजोपावैकबौंयकटुक्का।चाहे जोंमातुपितातनको तब चौहचबायचलावतमुक्का।कोई उपावकियेछलछन्दसों कैबसिभागिमिलैयकसुक्का। लेखै नइन्द्रकोमोछनिछै मचियापरबैठिबजावतहुक्का ७ ॥ कवित्त॥ श्रीकोजो अशीषदेइआपकेबहुतहोइ सोतौबसी रावरेसदनऔरदेशखोइ। गमनमेंरतिरहैतीरथकोभा- षियेतौ सोतौतीर्थराजहीमें मासमासवासजोइ। नराम सीयपगतेप्रीतिछुटैकहियेतौ रावरेकीमतिअतिइन्द्रतहां रहीमोइ। पतिनीकेबल्लभरहो जो कहीसोतौअहो तातें

आदिअंक आठकेरिबड़ीआयुहोइ ८ स्वरगपतालबसु-
धामें निशिवासरहूंतेरोनामलेतसबआगे शुभकाम में।
दानमयदानमें उदारमति मतिमान तुम सों न सतिमान
देखेकहूंठाममें। परउपकारके करैयागणपति तुम्हें दया
केदरयाव अरु जानि धर्मधाममें। बिनती करनचाहों
भूप सों प्रथमताते सिद्धि हेत रावरेके करतप्रणाममें ९
सवैया॥ कामहिआलसतेनसधै अरुकेकैसुतादियोरामब
नै। कामलतेदृगपीतपरें अरुकाकेतनैचपलाईघनै।को
लहिसूरबिभाबिकसैअरुकोसहीभूपकीशक्तिभनै। का
शोजुफूलैसदाशरदैअरुकारीप्रभाहरिकीबरनै १० कवित्त॥
फूसलैलैधरिहैसोसरिहैबखतपायतरुतरुफिरिहैसो एक
बेरगिरि है। आगिपासपरिहैतौजरिहैजरूरनर चोरन
कोसाथकरिसमयपायघिरिहै। बारूरावएककरिबाँधिहै
जोबंधअन्धसूखेपरखिरिहैसोनीरभरोझिरिहै। नदीकेक
गारपरकरिहैअगारजौन तौनबीचधारहीमें डूबिडूबिति
रिहै-११ अस्त्रगहिसमरमेंशत्रुनकोमास्योनाहिं देवऋ
षिपितृनउऋणकरिदियोहै। द्विजनकोदानदैसहितस
नमानइन्द्रआशिषाअनेकनेकतिनकीनलियोहै। बापी
कूपबागनबनायोननहायोप्राग जागअनुरागजागिसोम
नहींपियोहै। रानिनकेसंगनअनंगरंगरागरँग्योराजाभये
कहाजोरजाईनहींकियोहै १२ जहांरह्योआमतरुकाम
कीसमानसबनरनअरामदेतइन्द्रअबताहीठौर। भागि
वशआयरुप्यो उड़तउड़तमूलदिशनिदिशनिफिरिपव
नभकोरजोर। लाकरीनआकरीहैवाकरीनपत्रपावें माक
रीकोजालभरोकामकोतौहै न और। येरेतरुवरकेनसारहू

हेगरूतेरोनाहकगरूरकरिलामीशिरधरेमौर १३ छोटे
छोटेनरनकेसाथखोटीबातैकरि खोयोदिनरातैनाहिं बुद्धि
कियोपोढ़ी है। मारिमारिजीवनकोपेटनकोफारिफारि पी
सबेमसालेनकोआपैलियोलोढ़ी है। आंधरेबधिरबौरे
बावलेबेकूपभूप कानेकूरक़पटीकलंकीलखेकोढ़ी है। पा
जिनकेकाजेकरेंलाजैनहींगाजे इन्द्रराजेभयेकहाजोरजा
ईनहींओढ़ी है १४ चाहियेनचारुताउदारताबिचारतासु
धरताकोकामुकहाबारोबड़बारीहै। बीरतासुधीरताअमी
रताहिदूरधरो पीरताफ़क़ीरता फिरतिमारीमारी है। बड़े
बड़ेधनुधारीबांधेदोयतरवारी द्वारद्वारदौरतहैखातओर
गारी है। बड़ेकारबारीअधिकारीदरबारीभारी नारी है
छिनारीजाकेसोईसरकारी है १५ बिनहिंप्रयासकयला
सकोबकसिबास परमप्रकासरूपराशिहीकीदात्री है।
नातगोतगावँइन्द्रपरिवारपूतनकी बाजीगजराजगंजबै
भवबिधात्रीहै। दारुणदुसहदीहदोषदुखदारुदाव पूरण
प्रतापपुण्यपुञ्जनकीपात्री है। भुक्तिमुक्तिमात्रीअरुज्ञान
हीकीगात्री एकमहामोहकालरात्रीयेहीशिवरात्री है १६
भारीसिन्धुभौकायहठीकठीकभौकाहै तरिबेकीगौंका न
हिंलागतीननौकाहै। आटामांगिजौकापथपानीसरपौ
कामहिमंचकुसमौकायारकामयहैसौकाहै। अमलकलौ
काजानिकाननथलौकाकरि तजियेखलौकासंगजीवनप
लौकाहै। कारखाताखौकाकरिदूरिचूल्हाचौकाइन्द्रबां
धितपलौकालयचलौहाथलौकाहै १७ बकरीऔंकरीए
कजातिहैहमारेजान नामकेबरनऔचरनठीकचारि है।
अहैथोरेदिननकी ऊगेनहींदन्तसूंड़ि काननकीलटक

निनयनअनुहारिहै। बोलनकीकीकठीकठीकमिलिगई हैजू खायतरुपत्रदूनोंपीवैंसरवारिहै। चालमें न भेदबड़ो जयपुरकेकौसलके हाकिमहुकुमदीयो करिनिरधारिहै १८ अंगकोबरनमिल्यो चरनहैंचारिचारि नयनठीक छोटेबड़ेदेखतमैंकानहैं। पूंछिमिलीऔरमुंहभीतरहै एकहीके दूसरेके शिरफोरि निकसेबिषानहैं। भरेअभि माननहींआपनीसमानगनै काननमेंकरिलेतदूनौंखान पानहैं। इभअरुसैरिभकोएककहैंकौसलके शुण्डलिंग लखेकछुभेदुदरशानहैं १९ साहबसुनतनाहिंमूसतमुसा हबहै कोटवालफौजदारलूटैंआठोयामहै। नाजिमचोरा इकरिबेचिलेतजाजिमको थानेदारखानेबरेछोड़तनचा महै। डाकेपरैंनाकेनाकेफांकेपरैंशेठिनके चोरफोरैं घरन कोभोरअरुशामहै। ग्रामअरुधामसबसुखबिशरामदेंके रामभयेरामनहिंरैयतआरामहै २० बाँधेशिररतनयतन तेसंहितखूप धूपतेरहितसुखीसदाजनजाकेपास। गुणते भरितभूरिजीवनकोदेतेअमी जींवनसुखददिनरैनिदश दोयमास। चहलपहलरहैद्वारपरपलपल होतअनाया सनाशनरतनतापत्रास। राजैंरसरूपदूनौंधरमकेजूपइंद्र भूपरअनूपजसभूपकूपकोप्रकास २१ थिरनरहतफिरि फिरि फिरैफरफर लेतफुरहरीइन्द्रफुरसतिउसीते। दौरिदौ रिक्षणक्षणबीनिबीनितूलतिन बासकोबनावतहैऔरका सकुसीते। छोटेछोटेजीवजन्तुपकरिअनन्तखात अन्नक नखोजिलेतगिरीपरीबुसीते। भिड़ाभिड़ीउड़िउड़िकर तहैंगिड़ागिड़ी चिड़ाचिड़ीतिड़ातिड़ीबैठेकरैंखुसीते २२

प्रश्नोत्तर सवैया॥ कोलहिसूरबिभाबिकसै अरुकेकैसुतादि

योरामव्रनै। काकरीमूढ़कुपथ्यकुवारमें कोसहीभूपकीश
क्तिभनै। कोरीवनावतहैपढकोअरुकाकेरहैचतुराईघनै।
कासोजुफूलैसदाशरदै अरुकारीप्रभाहरिकीबरनै २३॥
ग्रीष्म कबित्त ॥ पायदिनग्रीषमकेभीषमतपतभानु भाँयभाँ
यभौनभूरिभारसेभैंभातहैं। झंझापौनझर्पिझर्पिझाड़
नकेभुण्डझौंसि झँझरीझरोखनमेंझाँभिकैझँझातहैं।
धूरिधारधारिधुंधकारकरिधराइन्द्र भूधरदरीनधूमधाम
तेधँधातहैं। हाटनमेंबाटनमेंनदीनदघाटनमें हारनदहा
रनमेंहाँकदैहँहातहैं २४॥ सवैया ॥श्रीभगवन्तनरेशज
हीं भगवन्तभयेकरिकैरुणभारी। दानदयाशुचिशीलवि
वेकके बीरनकीमुहिंयांभईकारी। दम्भपखण्डअशौच
अज्ञानता गावतभेमहामोहअगारी। कूरताक्रोधकठोर
ताकाम कलंकनच्योउठिदैकरतारी २५ ॥ कबित्त ॥ जा
दिनयाजगतेअनेकयज्ञयोगकरि प्रियादासपूरुषपुराणपै
सिधारेहैं। तादिनमृदंगैमुरचंगैमोहमन्दिरमें बाजीत्योंउ
पंगैअपकारकेदुवारेहैं। शोकशंकसमातकेशंखसहनाई
बजेकरनाललोभकामकोहकेअखारेहैं। दरदकेदारेदम्भ
देखकेचिकारेभारे दीसिउठेदीरघदरिद्रकेनगारेहैं २६॥
प्रश्नोत्तर सवैया ॥ कोकुमतीअरुकोसुमतीअरुकोकहियेनि
शिहोतविहालै। कामनैधारेफँसैजियसंशय कालहिहोत
सुखीदुखीहालै। कोलहिभूमिउठायेरहै सदासंततकोज
पैरामविशालै। कामहिहैजोसबैकोसतावतकाबिशुनाथ
कीराचीरसालै २७॥ गूढ़ार्थ ॥ अलिआजुगईयमुनातट
में जहँफूलेफवेलहैआदितदै। तनछाइरह्योदिनहीभैंज
हांअरुवायुवहैविधिआदितदै। करिकूकनिमोरनचैमद

सों अरुगागनडोलतआनिमृदै । बड़कौतुकएकतहांघ
नपैशशिहेरतहीहरिगोरीह्दै २८ बारहभूषणसोरहशृं
गारकै प्राणप्रियारचिआनँदसन्द्रमा । प्रीतमतेकरिकै
लिजगीनिशिभोरचलीउठिकैभरितन्द्रमा । फूलडुलैल
टकोमुखपै उपमाकहीइन्द्रदिनादशपन्द्रमा । यामिनीको
अरिजानहिये जनुकैविचभानुभवाँवतचन्द्रमा २९ ॥
दोहा ॥ आईजानिबसंतऋतु आमबौरिलखिकोकि ॥
लावोलैअसकौनहै जोराखैमनरोकि ३० बरषाआईज
लभस्यो सरसरसिनमैंदादु ॥ रीरमतीदादुरनसँग बकहु
करहिंबकबादु ३१ ॥ सवैया ॥ खाइयेपानइलाचीलवंग
बदामछुहारगरीमधुदाखू । दन्तबिगारतिहैरसनामुखगं
धिकरैअरुऔगुणलाखू । थूंकतेबाचैवसारनआँगनद्वा
रकिवारदिवालऔपाखू । धीरछुटावतिजातिकुजातिते
काहेकोखातिहैंलोगतमाखू ३२ कौनरसालचिनीमिसि
री मधुकौनबदामछुहारऔद्राखू । ऐसीभवानीहैध्यान
धरै कहिइन्द्रदिनादशपांचऔपाखू । बायीऔबातरहै
शतकोसमें पेटकेरोगबिगारतिलाखू । बुद्धिकीवृद्धिकरै
अरुज्ञानकी याहीतेखातिहैंलोगतमाखू ३३ ॥ कबित्त ॥
नागतनधारई ननागतनधारई सुनागतनधारई सुनाग
तनत्रासहै । कामतनसोहई नकामतनसोहई नकामतन
सोहई नकामतनसासहै । बामतनराजती सुबामतनराज
ती नबामतनराजती नबामतनहासहै । इन्द्रकविदास
है नगेंद्रपरवासहै सुतीनिपुरनासहै सुतीनिपुरनास है
३४ भवतमनाशईन भवतमनाशईन भवतमनाशई
कुभवतमनाशई । द्विजकलभासई न द्विजकलभास

ई सुद्विजकलभासईनद्विजकलभासई । इन्द्रअसभाष ईनइन्द्रअसभाषई नमित्रजनत्रासईनामित्रजनत्रासई । सूरजबबालईसुहोततबहालई सुदीपपरकाशईनदीपप रकाशई ३५ ॥ ग्रीष्म ॥ कूपसरनारनमैंपल्वलपतारन में नदिनकछारनमैंआपमैंलखानहै । दादुरचकोरमोर चातृकरटनहोत बकनबकनइन्द्रशीतलपखानहै । भूत लसुखदकारीत्रिबिधसमीरनहै जेतेजलथलजीवसींव हरषानहै । बारिधरवृन्दनदेखातबरसतबारि पावसऔ भीषमहींग्रीषमबखानहै ३६ ॥ शिशिर ॥ हरततपनतपठ रतकरतजप उठतअँगन्नकपलखतजलनको । परतअ धरछतअँगनअँगनखत करतसुरतरतजगतजननको । अनलअनलत्रसिकरतअनलनर छरततुहिनकरतुहि नगननको । डगडगडगतचिबुकद्विजइन्द्रकबि कहतथ कतऋतुशिशिरबलनको ३७ ॥ बसन्त ॥ चलतत्रिबिध पौनकरतजहानगन्ध लखतपतानतरुजगतकोभावई। फूलतपलाशआशकंजकेतकीप्रकाश मोरपिकनाचिबो लिमैनउपजावई । बौरतरसालबनदेखिकैभ्रमरभीर पु ञ्जनकेपुञ्जजुरिगुञ्जिगुञ्जितावई । तरुतरुधाइधा इकोकिलासुरभिपाय बारवारशोरकरैंइन्द्रकबिगावई ३८ ॥ अथअन्तरलापिका सवैया ॥ कहुँमीनमरैकिहितेकढ़िगे हतेकाहकियेनरदेशलखैं । कहिइन्द्रजलाशयतेजल जालमैंजालिकैकेवटकाहचखैं। बनकेगिरितैबनमैंबनदा निबिलोकिकहैमनकोहरखैं।नरभूखनअन्नकोकाहकरैंज लतेकढ़िमीनमयूरभखैं ३९ कोटिनसाधुसमाजकरैबहु ज्ञानकथानकेपारतरैरे । कोटिनतीरथराजकरैंश्रुतिगान

करैजपध्यानधरैंरे । कोटिनमाघनहानकरै मखदानकरै व्रतभानकरैंरे । ईसबकेपरनिन्दकरैनररौरववर्षहजारपरै रे ४० बातअसत्यबकैनितही गुरुलोगनतेदिनराति लरैंरे । भोगकरैपरनारिनकोअरु इन्द्रअनेकनपातकरैंरे । येसबनर्कसमाजकरै यकबारजोशंकरनामअरैंरे । पावक मैंजिमितूलबरै तिमिपापदुकूलसमूलजरैंरे४१ ॥ कवित्त ॥ आठौगणमंत्रीजासुनष्टऔउदिष्टदूतबरणऔमात्रामयी जाकीशुभबोलीहै । कामधेनुछत्रचौंरअश्वगजध्वजाहार चौकीबंधआदिभूपवैभवकीटोलीहै । गतिसबछन्दइन्द्र रूपराजैप्रसतार संसकृतवाणीरवनीमागधीसुगोलीहै । हिमशैलसिंगललौंसोहैमहिमण्डलमैं पिंगलमहीपजा कोढिंगलियाढोलीहै ४२ कहतअसत्यतऊसत्यकरिमा नितहै बकतकुराहतऊराहउठहैंपरयो । तीक्षणकपटकटु निपटरटततऊ मधुरकहतयहबातहीगहैंपरयो । जीवहि दुखदसबजैसहिबकतशठ तैसहिसुखदकहिपेटमैंसहैंप रयो । कहांलौंबखानैंइन्द्ररमाजूतिहारेहेत बड़ेबड़ेचूतिय नचतुरकहैंपरयो ४३ करैउपकारसोतोमानियेजनमभरि बदलोजोबनिपरैदीजैप्राणखोयहैं । कीजियेनबधजीवप रमधरमयहैकरमतौंकीजैसोईजौनशुभहोयहैं । कहियेबि चारिकरिबचनभनतइन्द्र बड़ेनकीबातकहूंहोतिनहींदो यहैं । दीजियेजनमभरिजगतकेजीवनको भूंखेनकोभोज नऔप्यासेनकोतोयहै ४४ बोइयेनबीजजहांकांकरेकठि नहोयँसर्वरातिपरिकरिसोइयेनसांकरे । चरचानकीजैचो खीचाकरेचुगुलजहां अरचानकरौंदेवबिनाफूलडांकरे । पेटभरिमांसखायवाकरेकोरंगियेन शीशाधरिढोयेइनआं

करकुल्लांकरे। बासनहींकीजियेकुठाकुरकेगांवगैलधरिये
नध्यानजहांदोरैंमोटेमांकरे ४५ बंकजबईशहोतपंकहीन
दीशहोत रंकसोंनिधीशनितशंकसोंअरारहे। बैरीनिज
तातहोतपुण्यद्विजघातहोत बिषअन्नखातहोतरोगतेभ
रारहे। मेरुगिरिहोतधूरदेवदारुहीबबूर नयनमूंदिहोत
सूरहंडऊपरारहे। खारिसमधुरइन्द्रबारिसअंनलसमआ
यसकेपींजरामैंपारसधरारहे ४६ लालहैतसीलदारजिले
दारऔदिवान नायबहैलालैदूनोकानेजालसाजीहैं। ला
लेहैंअदालतकेहाकिममुसद्दीलाले क्लिेकीकचेहरी मैं
लालकामकाजी हैं। फौजदारधंनालालताकेढिगछोटाला
लबाँभनयाखोटासबलालनमैंपाजीहैं । येतेसबलालन
केऊपरहैमोतीलाल भारपरैलालजहां रैयतनराजीहैं ४७
दानेहैंदिवाननहींसागेहीदिवानेदूनौं लालमलनथमल
मलहीमैंबानी हैं। नायबहैंदूनोकानेकायथहैंकूरकोरे रूप
रामगोपीनाथभारीअभिमानीहैं । चौथाबटसरकारैआ
वतहैंऔरसब बांटिलेंतर्मिलिकैरकानीकारखानी हैं। इ
न्द्ररामज्ञानीबिनारानीराजधानीरोवै छैरहीदिवानीदीह
दुखितदिवानी हैं ४८ जामेंहैंअधेलीचारिपावलीरही है
पैठि आठकदुअन्नीआनासोरहसमातहैं । बारहअधि
कवीसपैसाजगजाहिरहैं चौंसठिअधेलाहगदेखतसिहा
तहैं। दुकराछवीसीआठआगरेउजागरहैं छप्पनअधि
कहैसैदमरीकेगातहैं । दामजामैंआठसैकहतअभिराम
भैयारूपेकेरुपैयादैयाकापैदियेजातहैं४६॥ शान्तरस सवैया॥
इन्द्रकहैजगभोगकियेबहुखायेसबैमधुरादिकलैकटु।राति
दिनापरद्रोहबसैउरकाहभयेनितपापहिमेंपटु। ठौरनिठौर

ठगाईठनै शठहैनहिंठीकजोठाटतोहैठटु । रागरमार
तिनायकरोषहि राखिकेदूरिरमापतिकोरटु ५० ॥ ग्रीष्मके
कवित्त ॥ सूखतसघनबनसूखतसघनबन सूखतहैंपंकजा
तसूखिपंकजातहैं । केतुकीकलुषहोतकेतुकीकलुषहोत
केतुकीपरुषह्योतकेतुकीससातहैं । मारुतप्रचण्डह्योतधू
रिनवखण्डंहोत बाटिकाबिहंडह्योतअंगझरसातहैं ।
नाकलोकचुरिजातनागलोकचुरिजात द्वीपचुरिजातहैं
नदीपचुरिजातहैं ५१ लूकनसहितभूंकपौनकेप्रचण्ड
चलै रोजरोजदूनतेजसूरसरसातहैं । सातद्वीपसातसि
न्धुसातऊपतालखौलि शूकरकमठअहिपतिअरसात
हैं । ब्रह्मलोकविष्णुलोकरुद्रलोकइन्द्रलोक सत्यलोक
औरसबलोकझरसातहैं । धूरिआसमानहोतधूरिआस
मानहोत धूरिआसमानजेठमासदरसातहैं ५२ ॥ बसन्त
बर्णन ॥ लसतपतानबनलसतपतानबन लसतपतानब
नलसतपतानहैं । बोलतशारँगहैनबोलतशारँगहै सु
बोलतशारँगहैशारँगसुखदानहैं । जलजसुखदहैसुज
लजसुखदहै सुजलजसुखदहैसुजलसुखतानहैं । देशमहँ
कन्तहैबिदेशमहँकन्तहै सुरेशयोंकहन्तहैबसन्तकीबि
धानहैं ५३ ॥ बर्षाबर्णन ॥ अम्बरअँबातनहिंबारिधरबार
बारबोलतहैबारबारबुन्दबानबरसैं। दादुरनदूंदिइन्द्रदीर
घदरददेतिदेशनिमैंदामिनिखद्योतदुरिदरसैं । सागरस
रितसरसोहतसरसरसशालतहैशरसमशोरकरिसरसैं ।
छत्रनकोतनितनिनिरततमोरगण हरिबिनरातिदिनमोर
तनतरसैं ५४ बादरबरूथकिधौंबारनबिराजतहैबारिबुंद
बृन्दकिधौंबाणबृन्दबरखैं । चातृकचकोरभेककेकिकिधौं

चोपदारझिल्लीझनकारकिधौंगानकरैंकरखैं। क्षोनिजह रितकिधौंहरितपोसाकयुत बिरहिनमारिबेकोमैनश्रनीह रेखैं।चंचलाचमंकतिहैचारिवोरचारुकिधौंरंजकउड़ाति इन्द्रफेरिदईचरखैं ५५ बारिबुन्दबिहितबहतबातबाग बनबाटिकनबीरुधबलाकबकलायेरी। दादुरनदूँदिदीन दौरि देवदेवदारदामिनिखद्योतदुरि देहदमकायेरी। को किलनकूककहूँकेकिनकीकेककढ़ी चातृककलोलकीरक लकहकायेरी। घेरिघनश्यामघनश्यामकेस्वरूपश्राये घोरघहरातघनश्यामपैनश्रायेरी ५६ बाढ़िबहीबाहिनी बलाकबरहीनवैन. इन्द्रकहैबासवबधूनवृन्दआयेरी। भारखण्डभाड़भुण्डभपिभपिभुकिपरे झींगुरनभु ण्डजुरिझांझिझरिलायेरी। भेकभनभूरिभयेभौरिनभ रितभौंरभालपररंभनकेभांतिभांतिभायेरी। ब्योमबढ़िबा रिधरबरषतबारिधरबारिधरबेशबरबीरपै न श्रायेरी॥ ५७॥ सवैया॥ गर्जततर्जतहैंनभमण्डल मेघमहानिल नोदितधावत। चातृकमोरनदीरवदादुरभुण्डनझींगुर झांझिमचावत। सारसमीनजितेजलश्राश्रिततेसब जीवमहासुखपावत। एकमहादुखहोतपुरन्दरबीथिन बीचनकीचमँझावत ५८॥ कवित्त॥ मण्डतसघनघनहो तहैंसघनबनहोतहैंसघनबनलोलतड़ितानहैं। इन्द्रम हिहीलहोतसिन्धुसमभीलहोत चातृकश्रधीरहोतनार सरितानहैं। भेकमनघोरहोतकूकबनमोरहोतसावनके शोरहोतभोरकरितानहैं। राहहरितानहैंसुहारहरितानहैं नहारहरितानहैंहिहारहरितानहैं ५६ सोहतनगौर द्युतिप्ररमबिभूतिवन्त मैनतेअधिकइन्द्ररूपमैंपरेख्यो

में । सहलनसोहैदयापरशुबिराजैकंधद्विजदेवदीनन
को पालकसुलेख्योमें । भासैभूतनाथजूकी भगतिह-
मेशउरशत्रुनसँहारिबेमेंकालसमपेख्योमें । कैधौंबलरा
मकैधौंराजतपरशुराम कैधौंरामचन्द्रकैधौंरामसिंहदे
ख्योमें ६० ॥ वृक्षोंकावर्णनदोहा ॥ पीपरकीहैपीपरैंपूजतपाप
नशात ॥ संपनेहूमेंटोस्यिइनकोएकनपात १ जेइनको
नितखातहैं मैंगलमदतेलीन ॥ हमदेखाहैनयनते होत
नयनतेहीन २ सबवृक्षनमेंबड़बड़ो याहीतेबड़नाम ॥ ज
टासहितशिवरूपहै परसतबरसतकाम ३ जीवजगतके
जियतहैंछायामेंफलखाय ॥ देवदनुजकोबासहै सेवोमन
बचकाय ४ कीटखातनहिंकाठको ऐसोप्रगटप्रताप ॥
काटनवारेपाइदुखहोतनरकगरगाप ५ धात्रीकीमहिमा
कहतथकतशारदाशेश ॥ परशतनशतत्रिदोषहै दरश
तकटतकलेश ६ आमकिकीरतिकरतभे अपनेमुखतेरा
म ॥ इसकोसबजगकहतहैकल्पवृक्षअसनाम ७ बैरे दे
खिरसालकोबौरेहोतमुनिन्द ॥ जाकोयशगावतसदाको
किलऔरमलिन्द ८ होतमोदमयसबजगत अमृतसरि
सफलखाय ॥ एकवृक्षरोपणकरैसोबैकुण्ठैजाय ९ जो
खायोहैआमफलसोईपायोमुक्ति ॥ जोनहिंखायोयाहिक
हुताकोमुक्तिनभुक्ति १० जोइसकोछेदनकरत ताकेतनु
कृमिखाय ॥ बंशनाशह्वैनरकमेंपरेपरेपछिताय ११ तरु
मधूकमधुपायकै मधुरसुमनबरसाय ॥ पालतजगको
पुत्रसम अमीसरिसरसपाय १२ मीठेफलफिरिदेत
हे तिहिपीछेफिरि तेल ॥ छायाशीतलदलसुखद का
ठलोहको पेल १३ महुवारोपनवारको कालीकालसहा

य। छेदनवारेकोसदादूनोंलोकनशाय १४ बहुतदिननमें होतहैं अमिलीवृक्षअनूप॥ पनाअमृतसमपियतसब ह रतगरमअरुधूप १५ रहतियोगिनीताहिमें बहुभूतनको बास॥ इसकोकबहुँनकाटियेकाटेबंशबिनास १६ सूर्य्य देवताजासुहै सर्वरोगकुरुभीम॥ दिव्यऔषधीबिदितहै लगतनजामेंदीम १७ जाकेबलतेहोतहै जाहिरजगतह कीम॥ नीमकहतयहिहेतुते पातीइसकीनीम १८ यापै द्रोहनकीजिये मनसावाचाजीम॥ कायाकलपकिनीमहै सर्वसारकीसीम १९ रहतशोकनहिंलोकको तरुवरल खतअशोक॥ परशतापपरातहै होतभोगको ओक २० श्रीफलकेतरुकोसुनौमहिमापरमअनूप॥ जासुपत्रशिव शिरधरे होतधनीअरुभूप २१ शिवपंचाक्षरमंत्रते एक लक्षफलहोम। करतबासकैलासमें धारिभालमेंसोम २२ जामुनिकीसरिकोकरै जिहिफलअमृतसमान॥ उदररो गसबमिटतहै गावतसुयशजहान २३ इसकेरोपणतेपि तर होतमहासंतुष्ट॥ नींमअर्कतेपुष्टतन नाशहोत सब कुष्ट २४ तरुकपित्थकोसेइये सबऔषधकोमूल॥ अती सांरग्रहणीनशै फलखातैअरुशूल २५ पीलूकीअद्भुत कथा बिनसींचेफलफूल॥ करभनकोहैकलपतरु लता लगेंभुकिमूल २६ आपहितेप्रगटैबिपिन मीठोफलगु णपुंज॥ गरमीग्रीषमकीभगै पैठतइसकेकुंज २७ तम्बू सेतनिरहतहैं धन्यदेशमैंधन्य॥ जालनामहैदूसरो सा गेजालहिवन्य २८ मौलसिरीसुमतरुनके मौलसिरीही लेखु॥ फूलबहुतबहुदिनरहै सुरभिविटपबड़देखु २९ फलकीभूमरिमधुरअति ऊमरिबिनहींफूल॥ सबऋतुस

वहीकोसुलभ हरतिक्षुधाकीशूल ३० गौतमकेतपतेजते
विदितपुराणप्रसंग ॥ इसकेअंगहितेकढ़ी गोदावरिसी
गंग ३१ कटहरबड़हरहरिहुते देखहुगरबहवाल ॥ मुंड
मालबनमालते अधिकधरतफलमाल ३२ जरहूमेंफल
होतहैं याकेअमृतसमान ॥ फलतरुमेंयहितेबड़ोदेखान
हींजहान३३ सबजगकेउपकारको बिधिनेकियोपलाश॥
जाकीजरकेजलहिते होतरोगसबनाश ३४ जरतेबनती
जेवरीपत्रनमेंजगखात॥ फूलनतेऋतुराजकोराजपनोद
रशात ३५ कालेक्वैपीछेबिटपलाललालदरशात ॥ अन
बिरहीबिरहीबिरत जियतमरतसकुचात ३६ ज्योंज्यों
शाखैकटतहैं त्योंत्योंहोतउदोत ॥ इसकीजरमेंसांचहूहो
तसुधाकोसोत ३७ परैनहींदुरभिक्षबिधि यहबिचारम
नलीन ॥ तरबुजएरंडकाकरी पेठाकोलाकीन ३८ भांति
भांतिकेकंदहैं भांतिभांतिकेमूल ॥ सबजगकेहितकोकि
यो ह्वैकैबिधि अनुकूल ३९ मारवारकी नाकहै इनको
आकनजानु ॥ दूधतेबादीहरतहैं पातते छायामानु ४०
फूलतेपूजनशम्भुकी फलतेरुईअतूल॥ बरतनकेहितखा
कहै तापनको जरमूल ४१ करभनकोहै समअमी समी
समाननऔर ॥ फलकीतरकारीबनै मारवारके ठौर ४२
गूदीरुचैगुबिन्दकोअतिमीठेफलजासु। पिंडदियेदशरत्थ
कोचित्रकूटकेबासु ४३ बदरीको सबजगचहै भूखेनरभ
रिपेट ॥ खाइखाइसुखसोंरहै सूखेधरेसमेट ४४ काबुल
औकशमीरके मेवनकेशिरताज ॥ नारायणयहितरुतरे
बैठेतपकेकाज ४५ बदरीकोजरमूलते छेदनकरोनकोइ ॥
इसकेछेदनतेसबै कुलकोछेदनहोइ ४६ कोईतरुनहिंकरि

सकै सेमरकीसमताहि । इसकेशुककेसुतनको सबनर
लेतसराहि ४७ इसकोनररोपणकरतजहँसीमाकीठाम ॥
जीवजन्तुसबरहतहैं करिकरिअपनोधाम ४८ रुई होति
अतिहीनरम परमगरमरमणीय ॥ इसपरकुमतिनराखि
ये धरमधरोयहहीय ४९ हरियरहरियिरलखिपरैनरिय
रकेतरुतोम ॥ नीरदूधघृतदेतहैं उत्तम इनकीकोम ५०
मङ्गलहीकेकाममें लेनदेनकोकाम ॥ याहीतेनरकहतहैं
श्रीफलइसकोनाम ५१ पैदाहोतजरूरनहिं येतृणराज
खजूर ॥ चलतेजातहजूरजित मनमेंभरेगरूर ५२ ऊख
ईरषाते कियो रसह्विपियूषसमान ॥ मीठेफलशिरपरकि
ये भोजनकरतजहान ५३ ये देखोमाहिमालसे सोहतहैं
तरुताल ॥ स्वादकताहैदूधमें मादकताततकाल ५४
बिजनपत्रआपैबने सबहीकेउपकार॥मधुरमहाफलशिर
धरेमानहुसुजनउदार ५५ येतीनौतरुउच्चअति अरुऊँ
चैब्योहार ॥ बनीरहैइनपैकृपा हेकरकलितकुठार ५६ ह
रि जिनकीउपमेयहैं येतरुतकहुतमाल॥अमीसरिसफल
खातनर वृद्धतरुणअरुबाल ५७ सिरसौंसिरसौंहीगुनो
सबवृक्षनकोयार ॥ सबतेउत्तमकाठहै बिनश्रमहोततया
र ५८ सांखौंकोसिरलौंलखत आंखौंलखातमाम ॥ प-
गरीपगमैंपरतिहै आवतसबकेकाम ५९ लाखौंदरखत
केबिचहिशोभतबिनफलफूल ॥ यकलकरीकेमोलमेंसब
कोकियोअतूल ६० सागवानकुछकमनहीं सीसौंसांखौं
तूल ॥ यकलकरीकेकारने जगइनपैप्रतिकूल ६१ सब
जगकेसबकामकोइनकीउतपतिजानु ॥ कामपरेलैलीजि
येइसमेंदोषनमानु ६२ देवदारु चन्दनअगरतगरगन्धत,

रश्रौर ॥ इनकोसबजगकहतहै कटतउठतहरिठौर ६३
जेफलफूलनतेजगत पोषतहैंतरुराज ॥ तिनकेकाटेहोत
है नरकोनरकदराज ६४ सहिजनबदरीश्रादिदै सार्खक
टेभलहोइ ॥ जरतेतिन्हेंनकाटिये लाखकहैजोकोइ ६५
बागवानकाकोकहै उसकीचालअपार ॥ तदपिफूलफल
केलियेकरतउखारपछार ६६ केलफलेपरकाटिये उस
कोदोषनहोत ॥ काटेहीतेहोतहै उसकोगोतउदोत ६७
बिधिनेजौनेकामको जिसकोजिसकोकीन ॥ सोसोलीजे
कामपर नरअघहोतनलीन ६८ गिरतश्रापतेबहुतहैं
पौननदीकेजोर ॥ पापीकाटतहैंतिन्हैंलीजैधनकेतोर ६९
हरोनकाटैजोननर तौसूखोमिलिजाय ॥ इसमेंमीननमेष
हैं देखोदिलठहराय ७० नरकपरनकोडरनजो तौकरले
हुकुठार ॥ एकतरफतेकाटिकै पाटोसबसंसार ७१ सबवृ
क्षनकोमूलहै सांचेहूकिरमाल ॥ जाकेफलसमदंडहै फूल
मनोजयमाल ७२ फूलतहैऋतुराजमें येसांचातरुराज ॥
दस्तहोतहैखातफल नाशतरोगसमाज ७३ सबतेबड़ोस
नायहै जाकोसुयशबनाय ॥ जनजीवतहैजगतमें दिनके
बहुतगनाय ७४ अरबदेशमेंहोतहै सबजीवकोपाल ॥
गरबगिरावतिरोगको दस्तकरतितकाल ७५ औषधरे
चकहैंजितीयहजगतीकेबीच ॥ तेतीदेखाखायहमहैसना
यतेनीच ७६ होतीजोनसनायजग हमकियखूबविचार॥
जीतेकममरतेबहुत मिटिजातासंसार ७७ धन्यदेशहैज
गतमें जहँयहहोतसनाय॥ हमजीवतहैंजाहिको सुयशब
नायबनाय ७८ सांचेहूयहऊखतरु जगमेंलसतपियूख॥
सबगुणकीसन्दूखहै तुरतलगावतभूख ७९ मनुजदनुज

अरुदेवता तीनिलोककेजीव ॥ देखतऊखविकारको हो
तप्रसन्नअतीव ८० महिमाशिंशिपवृक्षकी हमतेकही न
जाय ॥ सीताजिसकेतरबसी तीनिलोककीमाय ८१ शिं
शिपतरुमेंरहतहैं सदाअमृतकोबींस ॥ डारमूलतैंगाड़ि
ये अंकुरहोतप्रकास ८२ शिवाशिवातेकमनहीं जगमेंप्र
गटप्रभाउ ॥ पीरअजीरणकोहरैकरैदस्तअरुबाउ ८३
कायाकलपहिकरतिहै अल्पकालहीखात ॥ धन्वन्तरि
जिहिलैकढ़ेयहपुराणविख्यात ८४ महिमातरुबंबूरकीको
करिसकैबखान॥दातनिकरतेहोतहैं दंतसुब्रज्जसमान ८५
नाशहोतमुखरोगसबबढ़तबीर्य्येदिनरात ॥ सितासहित
फलपाकको चूरणकरिकेखात ८६ हलकपाटचौकीपटा
तखतबहलरथआदि॥इसकीलकड़ीतेबनैं पुष्टिकरैअति
गादि ८७ जोनहोतबंबूरतरुसबजगहोतखराब ॥ कंट
कतेफलखेतघर फूटेरखतसिताब ८८ तुलसीकीकीरति
करत हुलसीमतिअतिमोरि ॥ यशवर्णनमैंतबकरौंजीवो
वर्षकरोरि ८९ जगतमातकेपत्रजोखातजातसबपाप ॥
विष्णुशीशपरधरतहीदूरहोतत्रयताप ९० तुलसीपूजनके
कियेंबशीहोतसबदेव ॥ यातेसबकोछोड़िकै याहीकोशठ
सेव ९१ ॥ इतिवृक्षवर्णनदोहा सम्पूर्णम् ॥ अथपहेलिकाप्रारम्भः ॥
केशनोचिकपरेहरे मोतीलियेउतारि ॥ ईश्वरबिपदाअस
दईनंगीजरिगैनारि १ ॥ मक्काकेसीरा ॥ शीशाकाटिमाहिमेंध
रैलोथैचलीनहाय ॥ हाड़नकेकैलाकरैखालैहाटबिकाय २
सण ॥ दूधाधारीनितरहैं झोलीअंदरकेश ॥ धूपसुखीज
लतेदुखीमकनपुरीदरवेश ३ ॥ आक ॥ चौपाई ॥ एकअचम्भौ
ऐसादेखा । बिनबदरेबरषैअसरेखा ॥ बरसतबरसतछै

गाभोर। मेषरहीदरलैगाचोर ४ ॥ महुआ ॥ दोहा ॥ मढ़ी बैठितपसीभये करिकांटोंकीबारि ॥ बिनबोलेसबकोठगे येमौनीठगवार ५ ॥ नेत्र ॥ तनगोरामुखसांवरारहैंसमु न्दरतीर ॥ पहिलेरणमेंबेलरैंएकनामदोवीर ६ ॥ कुच ॥ चौपाई ॥ कामिनिछोटिकन्तहैभारी। नितनितकामिनि जातिहै मारी ॥ मारीजायबहुरिघरआवै ॥ स्वामीकेड रहैनपावै ७ ॥ गुलीदंडा ॥ दोहा ॥ हरिगुणउगिलति जातिहै आवतिहैगुणखाति ॥ ध्यानलगोकरतारसों बैठे पंचनपांति ८ ॥ चक्की ॥ उतरतनटबांसीबढ़ै चढ़तबांसघ टिजाय ॥ मैंसखिपूछौंतोहिंक्यानटीबांसकोखाय ९ ॥ चकरी(या मकरी ॥ चौपाई ॥ जबलगिन्यारेदूनौभाई। तबघरलू टैसबजगजाई ॥ दूनौभाईजबमिलिबैठें। तबघरलूटैको उनपैठें १० ॥ किवाड़ ॥ दोहा ॥ अर्द्धअर्द्धहैईशतरु इतउ ततजिबिचधुन्नि ॥ कहीकहानीबेगिही जानहुपण्डितगु न्नि ११ ॥ हरवर ॥ बिश्वनाथसिंहजीकृत ॥ चौपाई ॥ नीचेनर ऊपरहैनारि। केलिकरैंबहुहेलापारि ॥ बीरजनरइन्द्रीते कढ़ें। तातेंसबजगआनँदमढ़ें १२ ॥ कोलू ॥ छप्पै ॥ श्याम बरनमाथेपरटीका बिनमारेवहरोवै ॥ साततलाकेतेरीमा को जोबिनजानेसोवै १३ ॥ भ्रमर ॥ चौपाई ॥ एकपुरुषला खनहैंनारी। पियामिलनकोदौरींसारी ॥ जबप्रीतमके दरशनपावैं। तबसबनारिपुरुषह्वैजावैं १४ ॥ नदी ॥ सोरठा ॥ सदाउनींदीनारि निशिबासरसोवैनहीं ॥ सोवैपियैसोवा य जबसोवैजागै नहीं १५ ॥ नाड़ी ॥ छप्पै ॥ सब्रुजरंगजा लीकीकुरती गाजिपरेपरभातीहै ॥ जबकोइरसियाचूमन लागैनारीनरहोजाती है १६ ॥ आम ॥ चौपाई ॥ एकनारि

वहनरकोभावै। बिनानरैवहकामनआवै॥ वहनारीकोहै यहभेद। उसकेतनमेंलाखनछेद १७॥बकतर॥दोहा॥ अँग परदागवियोगकेनखशिखपीकेअंग। पीबिछुरतऐसीभई जीगोपीकेसंग १८॥सर्पकीकांचली॥ चौपाई॥ पहिलेनरफिरि होतिहैनारी। दिनपैदिनवहलागैप्यारी॥ ज्योंज्योंप्रिय को यौवनआवै। नारीतेवहनरहोजावै १९॥ आम॥ एकपु रुषअनगनतीनारी। सराचढ़ैतिरियावैसारी॥ पुरुषज रैदेखैसंसार। तबतिरियनकोभयोशृंगार २०॥ ईंटें॥ जन्तुएकबिनबाजेनाँचै। जिसपरपरैकरमसोबाँचै॥ हर भोजनपरकरैसनान। इसकाबूझैपुरुषसुजान २१॥ कि- वाकिवा॥तारतोरिकैकुबरीकीन। कुबरीकेमुंहतोबरीदीन॥ जोतोबरीकोलैनेजाय। कुबरीवाकोजीलैजाय२२॥ कुरी॥ मेरीकुरियाअम्रतबानी। बरसैमेहचुवैनहिंछानी॥ थाके पौनझकोरिझकोरि। तऊनउड़ैमड़ैयामोरि २३॥ गूलर॥ कुप्पै॥ एकनारिबहुरंगीचंगी तरकारीकहलातीहै। एकनपैतोआपचढ़तहैएकनकोचढ़वातीहै २४॥पालकी॥ चौपाई॥ नंगीकरिकैनारिलेटावै। उकुरुकैनरकमरहिला वै॥ ज्योंज्योंमानसद्रैरलगावै। त्योंत्योंनारिरूपादिखा वै २५। तरवार॥ देखोअचरजमीठेवीरा। बिनाजोला हेबिनिगाचीरा॥ रेशमसूतनवामेंभाई। बिनातारवहब नानभाई॥ आसपरसियाबूझिबतावो। याचीरकेदाम दिलावो २६॥ पाकमिठाई॥ दोहा॥ माताकेनाहिंहोतहै पिताकेसबकेहोय। तीनिबरनसबघररहै बिनवाहिरहैन कोय २७॥ मसाला॥ चौपाई॥ नरपरचढ़ैनारिरतिकरै। कलकलशोरदूरिसुनिपरै॥ वीरजपुरुषलिंगतेढरै। ता

तेसबजगकारजसरै ॥ यहकहनीकीफिरतीगैल । नहिं जानै तोअंधाबैल २८ ॥ कोल्हू ॥ लखहुअन्तहैमण्डलजाके । शूलदोयनिकसेशिरताके ॥ आदिपाणि अन्तहिहै नीच । रहतिएकभुजबलतेहिबीच ॥ चलतफरक बैठत मिलिजाय । पुरुषनारिसँगनभहिचलाय ॥ वेदबरनवह आपसही है । कहनीजानौकठिनकही है २९ ॥ कतरणी ॥ महाराजाविश्वनाथसिंहजीकृत ॥ दोहा ॥ डनजआदिदैपथजलहि घरनाशैजोखाय । बगहमध्यतेनीचनृप है जो कहनीआय ॥ तनजअन्तदैजानिये मधुकरबहु अरुभाय । चौसट्ठी कहनीकही जानजानिजो जाय ३० ॥ सहरविश्वनाथसिंहजीकृत ॥ आदिपक्षिमध्यहिपशू अन्तहिमें रसहोय । कहनीहैषट्बरनकी जानहिंकबिसबकोय ३१ ॥ बकरीकादूधश्री विश्वनाथसिंहजीकृत ॥ चौपाई ॥ जलकेबीचरामसुतरहै । कहनी बेसपुरन्दरकहै ॥ जिसकेबुधिकोहैलवलेश । सोईजानैइस कोदेश ३२ ॥ कच ॥ बाराअमरपंखबिचरहैं । कहनी बिप्रपुरन्दरकहैं ॥ सबैबरनमिलिइसकोकहौ । बिनाकहेन हिंआनँदलहौ ३३ ॥ पच्च ॥ जलकेतरे पक्षियकरहै । बिनाजीवकोसबजनकहै ३४ ॥ खग ॥ दोहा ॥ अजाशीशको टोरिकैहोतबड़ोगजराज । इन्द्रपहेलीकोकहैं जानौसब कबिराज ३५ ॥ बकरी ॥ दोयअंककोपात्रहै परारहतअसनाम । दूरिरहतउलटेकहत खड़ारहैसबयाम ३६ ॥ लोटा ॥ चौपाई ॥ दोयअंककोभोजनबनै । उलटिहोयवहमीठोघनै ॥ रहैजातहैजाकोनाम । ताकेलपटेसुखकोधाम ॥ ३७ ॥ रजाई ॥ तोकोडरहैनामहिलेत । तिहिपरपौढ़ेसुखकोदेत ३८ ॥ तोशक ॥ तीनिअंककोपशूकहाय । अर्द्ध

चन्द्रशिरतृणकैजाय ३९ ॥ गाडर ॥ नामलेतभयदूरभगा
य। ऐसापशुदेखासबठांय ४० ॥ गाडर ॥ सीधेपढ़ेहोय
पगत्रान। उलटेपायसभोजनजान ॥ पगरखी ॥ दोयश्रंक
कोबाजोहोई । उलटेभारालादैसोई ॥ ढोल ॥ दोहा ॥ है
तयारभोजनकरौ ऐसाहैजिहिनाउँ। जयपुरकेपरगनब
सें चारिबरनकोगाउँ ॥ भाखरोटी ॥ आधेमेंदशरथपिता
आधेमेंगिरिराज। ऐसाशहरबताइये देरकरौबिनकाज॥
अजमेर ॥ चौपाई ॥ एकनयनकोताकोनाउँ । महाबलीकेता
बेगाउँ ॥ कानोता ॥ दोयअंककोशहरकहावै। उलटेतेख
रिडतकैजावै ॥ टोंक ॥ दोहा ॥ हाथीपरनारीचढ़ी पकरि
लेतिसबगाउँ । ज़ाकेदशनअनेकहैं ताकोकहियेनाउँ ॥
कङ्घी ॥ मारिकैपरिरहो ॥ किवाड़ा ॥ तुम्हारेघरैगयेकाढ़िबै
ठे ॥ पगरखी ॥ दोहा॥हरिकेभीतरसकलजग गावतवेदपुरा
न। एकजीवन्यारारहै तिहिकोकरौबखान ॥ हरिना॥चौपाई॥
दोयजीभनागिनिहैनाहीं । खायखायउगिलैपलमाहीं ॥
सबजगताकेरहैअधीन। कहैइन्द्रजानहुँपरबीन ॥कलम॥
पञ्चचरणसीधे मुनिहोय। उलटेमृतकनागहैसोय ॥ परश
राम ॥ इतिश्री ॥ दोहा ॥ जाकेसोनाहैनहींताकोसोनानाहिं।
ताकोसोनाहैनहीं सोनाजाघरमाहिं १ दाकेनीचेधनलिख
दिया। ताहूपैनहिंजातादिया॥सवैया॥सत्रहसैयकहत्तरिमें
भगवन्तजूखीचीभयेपरतापी । इन्द्रपुरोहितहैतिहिबंश
केदेशविदेशनिकीरतिथापी। बान्धवभूपबलीबिश्वनाथ
केकारजलागिश्रमेरभूमापी । मानिगुरूसमरामनरेश
दियेबहुग्रामश्रौबाटिकाबापी १ ॥ दोहा ॥ बांधवपतिरघु
राजदियरहटनामबड़ग्राम । धड़ीमालसेलसतहैं रैयत

सुखीतमाम २ नगरपंचआरामगजदियेपंचपरसाद।
रासभूपआमेरपतिरहितसमस्तविषाद ३ सबहीकोसु
खदेइकै सबतेलेइअशीश। योगराहतेत्यागितनपहुँचे
पासगिरीश ४ राखैंचरणसरोजढिग जगदम्बाजगदी
श। तुमकोरामनरेशनित हमरीयहैअशीश ५॥ कबित्त॥
बिक्रमकेऊनबिंशतीनमेंबघेलभूप विश्वनाथकाजलागि
आयेजयपुरको। सालदशकेमैंरामसादीकियोरीमाजाय
आपफिरिमान्योहमैंजैसेनिजगुरुको॥ जोधपुरउदयपुर
आदिसबनृपनतेमानकोकरायद्वाख्योमित्रकरिउरको।
ग्रामधनधामबिसरामत्योंअशामदैकै सैंतिसकेसालआप
राज्यलियोसुरको ६॥ दोहा॥ बांधवजयपुरजोधपुरभूपन
तेभोहित्त। इन्द्रकियोतिनकोसुयश अतिप्रसन्नकरिचि
त्त ७ चित्रकियेरघुराजहित सिखनअनेकप्रकार।
हनुमतहरिअष्टककिये निजहितपरउपकार ८ शुरू
भयो वनईसमैंबांधौपतिहित मोद। पूरणजयपुरमें
भयो यहरघुराजबिनोद ९ हमनेअपनेजानमेंबिरचेब
हुतबिचारि। जोनबन्योसोकरिकृपा सतकबिलेउसुधा
रि १० ब्यासबंशजयपुरबसै रामरतनहैनाम। ताकी
लिपिजेबांचिहैंतिनकोसीताराम ११ पूरणपूनिममैंभयो
चैत्रचन्द्रशुभवारु। वनइससैइकतालिसैं बिक्रमसाल
विचारु १२ सबहीरसकेकवितहैंचित्रआदिलिखिदीन।
नामनरेशविनोदहित अन्तपहेलीकीन १३ कछुदोहा
तरुवरनकेरचेदयाउरधारि। ज्ञानवाननहिंकाटिहैं अध
रमधरमबिचारि १४ षट्ऋतुअरुबहुसूरनकेकवितरचे
हमऔर। राखेतिनकोअलगही इसमेंदेखिनठौर १५

यहरघुराजविनोदकोपढ़ैप्रीतियुतजोय। ऋद्धिबृद्धिदिनदिनदिपैबुद्धिशुद्धिअतिहोय १६ चिमनबंशसंभवबिदित मुन्शीनवलकिशोर। निजमुद्राअंकितकियो मित्रभावकीतोर १७ बांधवजयपुरजोधपुर भूपनके यशछन्द। चित्रदेवरति और बहु कियेपहेलीबन्द १८ कविताकरिबोकठिनहै चूकिजातसबकब्बि। ताहिसुधारतसुजनहैंहँसतजिहैंसमअब्बि १९॥

॥ इति॥

लखनऊ मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखानेमें छपा

मार्च सन् १८९९ ई०॥

माधवविलास =)

माधवप्रसाद तेवारी जी संग्रहीत इस में नायकाभेद के कवित्त वर्णित हैं ॥

कृष्णप्रिया ॥≈)

मंगलीप्रसाद बिरचित ब्रजविलास की तरहपर श्रीकृष्णजी का जन्मसे बैकुंठगमन पर्यंत चरित्र है यह काव्यालंकार युक्त बहुतही सुन्दर पुस्तक है ॥

रामसुधा –)

जिसको ब्रजचन्दजी ने महाराजाधिराज काशीनरेश की आज्ञानुसार अनेक रागों व कवित्तों में श्रीरामचन्द्रजी का गुणानुवाद गाया है ॥

कविप्रिया सटीक ॥–)

टीका हरिचरणदास कवि कृत–जिस में नृपवंश व कविवंश वर्णन कविलक्षण, कवि व्यवस्था, गणागण फलाभाव सामान्यालंकार, नखशिख, नायक नायका भेद और चित्रालंकारादि वर्णित हैं ॥

शृंगारसंग्रह ॥)

सरदारकवि संग्रहीत–इस में भाषाके उत्तम २ कवियों के नायकाभेद व अलंकार के कवित्त हैं और बहुत से कवियों की गणना भी लिखित हैं ॥

श्यामकेलि –)।

लाला गोविन्दसहाय कायस्थ भटनागर सिकन्दराबादी कृत इस में श्रीकृष्ण व राधाजी के चरित्र और लीलाओं का वर्णन है ॥

कुंडलिया गिरिधरदास मूल)॥

इसमें गिरिधरदासजीने सामयिक वार्त्ता, चेतावनी कुण्डलियों में वर्णन की है ॥

कृष्णसागर १-)

राधाकृष्णजी रचित जिसमें श्रीकृष्णजी का नवीन रीतिसे परिपूर्ण चरित्र वर्णित है ॥

विश्रामसागर बहुत मोटे अक्षर वा तसवीर ३) पु०

जिसको महन्त श्रीरघुनाथदास रामसनेही ने प्रेमियों के लिये बनाया जिसमें छहों शास्त्र और अठारहों पुराणों के मत और नवीन रीति से श्री कृष्णचन्द्र व रामजी के सरल चरित्र पद्य में लिखे हैं ॥

रघुवंश भाषा टीका सहित १।) पु०

जिसके मूल श्लोकों को कालिदास कवि और भाषाटीकाको राजा लक्ष्मणसिंह साहब बहादुर डिप्टीकलक्टर बुलन्द शहर ने किया यह ऐसे कवि हैं कि इनकी कीर्त्ति हिन्दुस्तान से विलायत तक है जिसमें राजा दिलीपका सन्तान न होनेसे रानी समेत वशिष्ठजी के आश्रमपर जाकर सुरभी की पूजाका उपदेश पा रानी समेत नन्दिनी गौकी सेवाकर राजाका २१ दिन गौको वनमें चराना और गौके मायासे उपजेहुये सिंहसे बचाकर दूध और पुत्र होने का वरदान पाना फिर दिलीपसे रघुका होना दिलीपका निन्नानवे अश्वमेध यज्ञ करना और सौवें यज्ञ में इन्द्रका घोड़ा हरले जाने में रघु और इन्द्र से घोर युद्ध होकर इन्द्रका सौवें यज्ञके फल पाने का वरदान पाना फिर रघुसे अज अज से दशरथ दशरथ से रामचन्द्रादि चारों भाइयों की सम्पूर्ण कथा इत्यादि अनेक चरित्र १९ सर्गों में वर्णित हैं ॥

प्रेमसागरवातसवीर ॥)॥

लल्लूजीलाल कविकृत इस में दशमस्कन्ध भागवत की पूरी कथा व्रजभाषामें वर्णित है ।